दैनिक

लोकहित की पुकार

RNI-MPHIN/37343

राजगढ़, शुक्रवार 3 नवंबर, 2023 वर्ष-02 अंक-353 पृष्ठ-8 मूल्य- 2 रुपए

email-lokhit ki pukar@gmail.com

पेज- 7 केंद्रीय मंत्री तोमर ने पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में सभाओं को किया संबोधित

पेज- 8 जाति प्रमाण पत्र का हल नहीं तो होगा मतदान का बहिष्कार

न्यूज इन शार्ट

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शुक्रवार को विंध्य दौरे पर

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने प्रचार तेज कर दिया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शुक्रवार को विंध्य के दौरे पर रहेंगे। वहीं, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह चार नवंबर को शिवपुरी में जनसंपर्क करेंगे। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में राजनीतिक दलों ने अपने तूफानी दौरे शुरू कर दिए है। भाजपा के केंद्रीय मंत्री समेत पदाधिकारी अलग-अलग क्षेत्र में दौरे कर रहे है। इसी कड़ी में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शुक्रवार सुबह रीवा पहुंचेंगे। यहां त्यौंथर विधानसभा के ग्राम चुनरी में पार्टी प्रत्याशी के समर्थन में जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद सिरमौर विधानसभा के जावा और सिरमौर में रोड शो करेंगे। यहां रथ सभा को भी संबोधित करेंगे। इसके बाद गोंध मोड़, और सेमरिया में रोड शो करेंगे। इसके बाद बनकुंईया और देखहा तिराहा और रीवा शहर में रोड शो करेंगे।

राहुल, प्रियंका, खरगे 13 दिन करेंगे तूफानी दौरा

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए राजनीतिक दलों के पास 13 दिन ही बचे है। 17 नवंबर को मतदान से 48 घंटे पहले 15 नवंबर को चुनाव प्रचार थम जाएगा। इससे पहले राजनीतिक दलों के नेता प्रदेश में तूफानी चुनावी दौरे करेंगे। इस दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी समेत अन्य नेता जनसभा और पदायात्रा करेंगे। अगले 13 दिन में कांग्रेस नेता महाजनसंपर्क अभियान में उतरेंगे। कांग्रेस ने आगामी विधानसभा चुनाव में 150 सीटें जीतने का लक्ष्य बनाया है। इस दौरान 22 रैली खरगे, राहुल, प्रियंका गांधी मिलकर करेंगे। 70 रैली कमलनाथ, 60 रैली पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह और 30 रैली कांग्रेस मध्य प्रदेश प्रभारी रणदीप सुरजेवाला करेंगे।

दिल्ली में दिन-ब-दिन जहरीली होती जा रही हवा, डॉक्टरों ने जारी की चेतावनी

नई दिल्ली। दिल्ली में एक ओर कई हिस्सों में वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में पहुंच गई है वहीं, शहर के अस्पतालों में ऐसे मरीजों की संख्या बढ़ गई है जो खांसी, गले में संक्रमण, आंखों में जलन और नाक बहने आदि से परेशान हैं। चिकित्सकों ने बताया कि यहां प्रदूषण के कारण कई रोगियों में मौजूदा 'ब्रोन्कियल अस्थमा की स्थिति भी खराब हो गई है। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण का सभी आयु के लोगों पर प्रभाव पड़ रहा है। सरकारी एवं निजी दोनों अस्पतालों के चिकित्सा विशेषज्ञों ने लोगों को सुबह-सुबह व्यायाम करने या टहलने के लिए बाहर नहीं निकलने की चेतावनी दी और उन्हें बाहर निकलते समय मास्क पहनने के लिए कहा।

ईडी ने भोपाल के पीपुल्स ग्रुप की 230.4 करोड़ की संपत्ति की अटैच

भोपाल। प्रवर्तन निदेशालय ने भोपाल में पीपुल्स ग्रुप पर एक्शन लिया है। ग्रुप की 230.4 करोड़ की संपत्ति अस्थायी तौर पर अटैच कर ली गई है। कुर्क की गई संपत्तियां भूमि, भवन और मशीनरी के रूप में हैं। इन संपत्तियों में कॉलेज, स्कूल, प्रशिक्षण केंद्र, पेपर मिल, अखबारी कागज मशीनरी आदि शामिल हैं। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत ये कार्रवाई की गई है।

बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सुरेश नारायण विजयवर्गीय (एसएन विजयवर्गीय), राम विलास विजयवर्गीय (दिवंगत), पीपुल्स इंटरनेशनल एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, पीजीएच इंटरनेशनल के खिलाफ दायर 3 अभियोजन शिकायतों के आधार पर जांच शुरू की थी। ग्वालियर स्थित रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज ने शिकायत दाखिल की थी। जांच से पता चला कि एसएन विजयवर्गीय ने एफडीआई के

कॉलेज-स्कूल-पेपर मिल भी शामिल

रूप में प्राप्त धन का उपयोग करके, संदिग्ध तरीकों और साधनों का उपयोग करके खुद को और अपने नियंत्रण वाली संस्थाओं को समृद्ध किया। जिससे 3 कंपनियों (पीपुल्स इंटरनेशनल एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, पीजीएच इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड और पीपुल्स जनरल हॉस्पिटल प्राइवेट लिमिटेड) के शेयरधारकों के हितों को नुकसान पहुंचा। ईडी की जानकारी के अनुसार 2000-2011 के दौरान पीपुल्स ग्रुप की 3 कंपनियों में 494 करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्राप्त हुआ और इसे ब्याज मुक्त (या बहुत कम ब्याज) ऋण, सुरक्षा जमा के रूप में निकाल लिया गया। 2000 से 2022 के दौरान एसएन विजयवर्गीय और उनके नियंत्रण में संबंधित संस्थाओं को अग्रिम और ऐसे अन्य नामों से, जिसके परिणामस्वरूप 594.65 करोड़ रुपये की अपराध आय हुई। आगे यह भी पता चला कि उक्त आय का उपयोग एसएन विजयवर्गीय, सार्वजनिक पारमार्थिक जनकल्याण न्यास (एसजेपीएन) (एक सार्वजनिक ट्रस्ट जिस पर एसएन विजयवर्गीय ने ट्रस्टी के रूप में प्रमुख नियंत्रण किया था) और पीजी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (एक कंपनी जिसकी 99% हिस्सेदारी थी) द्वारा कैसे किया गया था।

भोपाल जिले में 21 ने लिए नामांकन वापस विधायक कुर्सी की दौड़ में 96 प्रत्याशी

भोपाल । जिले की सात विधानसभा क्षेत्रों के लिए विधायक प्रत्याशियों की स्थिति गुरुवार को स्पष्ट हो गई है ।अब कुल 96 प्रत्याशी विधायक कुर्सी की दौड़ में शामिल हैं ।पांच घंटे चली नामांकन वापसी प्रक्रिया के दौरान कुल 21 प्रत्याशियों ने नामांकन वापस लिए है ।इनमें हुजूर से नरेश ज्ञानचंदानी के समर्थन में निर्दलीय जितेंद्र डागा ने और कांग्रेस के बागी नेता निर्दलीय पक्ष खांबरा ने गोविंदपुरा से कृष्णा गौर के समर्थन में नामांकन पत्र वापस लिया है।

रामेश्वर शर्मा की डागा से मुलाकात के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने उनको अपने संपर्क में ले लिया था ।इसके बाद से नरेश ज्ञानचंदानी भी डागा के निरंतर साथ में थे। बता दें कि कलेक्ट्रेट और एसडीएम कार्यालयों में पार्टी नेताओं का जमघट बना रहा और प्रमुख निर्दलीय द्वारा नाम वापस लिए जाने की चर्चा चलती रही।

डागा के नामांकन वापस लेते ही मिले नरेश के निकले आंसू

विधानसभा क्षेत्र हुजूर से निर्दलीय प्रत्याशी जितेंद्र डागा नामांकन प्रक्रिया खत्म होने के आधा घंटा पहले ढाई बजे हुजूर एसडीएम कार्यालय पहुंचे थे ।इसकी भनक हुजूर से कांग्रेस प्रत्याशी नरेश ज्ञानचंदानी तक को नहीं लगी वह उनका इंतजार करते रहे। दरअसल डागा संभागायुक्त कार्यालय तरफ स्थित पीछे के रास्ते से चुपचाप पहुंचे थे और अपना नामांकन पत्र वापस ले लिया था ।उन्होंने कहा कि वह कांग्रेस के समर्पित कार्यकर्ता हैं और पार्टी के लिए उन्होंने यह निर्णय लिया है। नामांकन पत्र वापस लेने के बाद जब जितेंद्र डागा से नरेश ज्ञानचंदानी मिले तो उनकी आंखों में आंसू आ गए ।इस पर डागा ने उनके आंसू पोछते हुए आश्वासन दिया कि वह उनके साथ खड़े हुए हैं ।

मुख्यमंत्री के समक्ष भाजपा में शामिल, फिर लिया नाम वापस

गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के प्रदेश सचिव पक्ष खांबरा ने निर्दलीय नामांकन पत्र जमा किया था ।वह कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से नाराज चल रहे थे। इसी बीच गुरुवार को वह भाजपा प्रत्याशी कृष्णा गौर के साथ मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिले और भाजपा की सदस्य ली।

इसके बाद वह अकेले ही कलेक्ट्रेट स्थित गोविंदपुरा नामांकन कार्यालय में अपना पत्र वापस लेने पहुंचे ।यहां उन्होंने बताया कि वह 40 साल से कांग्रेस के कार्यकर्ता हैं लेकिन उनकी हमेशा अनदेखी की गई। इस वजह से उन्होंने आज पार्टी छोड़कर भाजपा की सदस्यता ली है और अब उनके साथी कार्यकर्ता भी शामिल होंगे। उत्तर विधानसभा क्षेत्र से विधायक आरीफ अकील के भाई एवं कांग्रेस प्रत्याशी आतिफ अकील के चाचा आमिर अकील ने निर्दलीय नामांकन जमा किया है। वहीं इसी से कांग्रेस नेता नासिर इस्लाम ने भी पत्र जमा किया है। इन दोनों के नाम वापस लेने की चर्चा पांच घंटे तक चलती रही लेकिन यह दोनों नहीं आए ।नाम वापस की प्रक्रिया खत्म होते ही तीन बजे के बाद दोनों निर्दलीय प्रत्याशी अपने चुनाव चिह्न लेने पहुंचे तो स्पष्ट हो गया कि वह भी चुनाव मैदान में डटे हुए हैं।

सहायक प्रबंधक साढ़े तीन हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जबलपुर। मध्य प्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन के सहायक प्रबंधक को साढ़े तीन हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा है। बिल भुगतान के लिए घूस मांगी थी। लोकायुक्त ने आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है।

लोकायुक्त की निरीक्षक रेखा प्रजापति ने बताया कि मां शीतला स्व सहायता समूह ग्राम पनबिहरी विकासखंड लालबर्रा ने शिकायत की थी कि त्रिस्तरीय ग्राम पंचायत चुनाव के दौरान चाय-नाश्ता और भोजन की बकाया राशि 57 हजार रुपये के भुगतान लंबित था। जिसे जारी करने के एवज में मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के सहायक प्रबंधक नरेन्द्र सोनवाने चार हजार रुपये की रिश्वत मांग रहे हैं। शिकायतकर्ता महिला ने गुरुवार को कार्यालय जाकर रिश्वत की राशि साढ़े तीन हजार रुपये सहायक प्रबंधक को दी। तभी लोकायुक्त की टीम ने दबिश देकर उसे रंगे हाथ पकड़ लिया।

पश्चिम बंगाल में 4.33 करोड़ का सोना जब्त, एक गिरफ्तार

बारासात (पश्चिम बंगाल)। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में बांग्लादेश सीमा पर गुरुवार को 4.33 करोड़ रुपये के सोने के बिस्कुट जब्त किए गए। इस दौरान एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ की 144 बटालियन के कर्मियों ने पेट्रापोल एकीकृत जांच चौकी पर एक ट्रक को रोका और चालक के केबिन की तलाशी के दौरान 6.99 किलोग्राम वजन के 60 सोने के बिस्कुट मिले।

भोपाल-इंदौर हाईवे पर तीन वाहन आपस में भिड़े, दो लोगों की मौत

सीहोर। मध्यप्रदेश के सीहोर में भोपाल-इंदौर हाईवे पर मेंटल अस्पताल के पास तीन वाहनों की आपस में जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई और सात घायल हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। कोतवाली पुलिस थाना प्रभारी विकास खिची ने बताया कि दुर्घटना सोमवार देर रात की है।

जानकारी के मुताबिक, सेकड़ाखेड़ी जोड़ पर मेंटल अस्पताल के पास दो ट्रक और एक ट्रैवलर की आपस में जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसा इतना तगड़ा था कि एक ट्रक डिवाइडर से जा टकराया। वहीं, ट्रकों के आपस में टकराने के बाद एक ट्रैवलर भी दोनों ट्रकों के बीच जा फंसी। इस दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई और सात लोग घायल हो गए।

अस्पताल में ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर एएस धाकड़ ने कहा कि दो लोगों को मृत अवस्था में जिला अस्पताल लाया गया। उन्होंने बताया कि घायलों का इलाज चल रहा है। मृतकों में राहुल प्रजापति पिता राधेश्याम (28) निवासी खमलाय कालापीपल और प्रेम नारायण पिता तुलाराम (55) निवासी काछी मोहल्ला सीहोर शामिल हैं। मृतक दोनों ट्रकों के ड्राइवर बताए गए हैं। हादसे में सात घायल भी हुए हैं। इनमें से ट्रैवलर में सवार ड्राइवर के पैर में फ्रैक्चर होने से उसे भोपाल रेफर किया गया है। वहीं, शेष सभी छह घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

भारत सेमीफाइनल में पहुंचा, श्रीलंका से 302 रनों से हराया

नई दिल्ली। आईसीसी विश्व कप 2023 के सेमीफाइनल में भारतीय टीम ने प्रवेश कर लिया है। टूर्नामेंट के 33वें मुकाबले में भारत ने श्रीलंका के खिलाफ 302 रनों से जीत दर्ज कर लगातार 7वीं जीत हासिल की। वहीं अब तीन टीमें कौन सी हैं, इसके लिए जंग जारी है। फिलहाल, साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड व आस्ट्रेलिया दावेदार नजर आ रही हैं।

श्रीलंका समेत ये टीमें हुईं बाहर

वहीं श्रीलंका इस हार के साथ लगभग बाहर हो चुका है। उसकी 7 मैचों में 5वीं हार रही। वह अगर बचे 2 मैचों जीत भी जाते हैं तो भी उनका पहुंचना संभव नहीं है। इसके अलावा नीदरलैंड, इंग्लैंड, बांग्लादेश भी सेमीफाइनल में पहुंचती नजर नहीं आ रही हैं। हालांकि, पाकिस्तान और

अफगानिस्तान चौथी टीम के रूप में रेस में बने हुए हैं। पाकिस्तान अगर बचे 2 मैचों में जीत जाता है तो वहीं न्यूजीलैंड कम से कम 1 मैच हार जाती है तो फिर चांस बन सकते हैं। इसको लेकर अब कुछ चीजें साफ हो रही हैं। साउथ अफ्रीका और भारत सेमीफाइनल के लिए जगह पक्की कर चुके हैं। वहीं तीसरे नंबर पर फिलहाल आस्ट्रेलिया चल रही है जो 6 मैचों में 4 जीत के साथ रेस में बना हुआ है। न्यूजीलैंड भी 7 मैचों में 4 जीत के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर है। हालांकि, दिलचस्प बात यह है कि नंबर तीन और चार पर रहने के लिए टीमों में जंग जारी है। ऐसे में अफगानिस्तान भी उन टीमों में है जो सेमीफाइनल में पहुंचने की राह पर है। अगर अफगानिस्तान उलटफेर करते हुए सेमीफाइनल में पहुंचता है तो 2 बड़ी टीमों का सपना टूटना भी तय है।

अफगानिस्तान सेमीफाइनल की राह पर

अफगानिस्तान ने 6 मैचो में 3 जीत के साथ खुद को छठे नंबर पर कायम किया। उसके अभी भी 3 मैच बचे हैं। अगर अफगानिस्तान तीनों मैच जीत जाता है तो उसके फिर 9 मैचों में 12 अंक हो जाएंगे। अगर ऐसा हुआ तो वह सेमीफाइनल खेलने के लिए भी तैयार हो जाएगा।

इन टीमों के खिलाफ बचे हैं मैच

अफगानिस्तान के लिए हालांकि सेमीफाइनल तक जाने का रास्ता आसान नहीं क्योंकि उसे अपने सभी मैच जीतने होंगे। 3 नवंबर को वह नीदरलैंड के साथ भिड़ेंगे। इसके बाद 7 नवंबर को उसे आस्ट्रेलिया के खिलाफ भिड़ना है जो लय में है। साथ ही 10 नवंबर को साउथ अफ्रीका के खिलाफ उसका आखिरी मैच है। यानी कि साफ है कि बड़ा उलटफेर करने के लिए अफगानिस्तान को हर हाल में ये मैच जीतने होंगे। अब वो कामयाब हो गए तो यह क्रिकेट इतिहास में अब तक का सबसे रोमांचक टूर्नामेंट और सबसे बड़ा उलटफेर माना जाएगा।

महज 12 रुपये में मिल जाएगी पाप से मुक्ति

राजस्थान के इस मंदिर में मिलेगा प्रमाण पत्र

नई दिल्ली। दक्षिणी राजस्थान में एक मंदिर आधिकारिक तौर पर पुष्टि करता है कि उसके कुंड में डुबकी लगाने से किसी भी पाप से व्यक्ति को मुक्ति मिल जाएगी और इसके लिए 12 रुपये में पाप मुक्ति प्रमाणपत्र जारी किया जाता है। वागड़ के हरिद्वार के नाम से प्रसिद्ध गौतमेश्वर महादेव का यह मंदिर राज्य की राजधानी जयपुर से लगभग 450 किमी दूर प्रतापगढ़ जिले में है। प्रमाणपत्र मंदिर ट्रस्ट द्वारा जारी किया जाता है ।यह राज्य सरकार के देवस्थान विभाग के अंतर्गत आता है।

हालांकि प्रमाणपत्र चाहने वालों की संख्या सीमित है और मंदिर के मंदाकिनी कुंड में डुबकी लगाने के लिए एक वर्ष में लगभग 250-300 प्रमाणपत्र जारी किए जाते हैं। यह प्रथा कब शुरू हुई इसका विवरण उपलब्ध नहीं है, लेकिन ऐसा कहा जाता है कि जिन लोगों ने जानबूझकर या अनजाने में किसी जानवर को मारने का पाप किया है या उनकी जाति या समुदाय द्वारा उनका बहिष्कार किया गया है, तो वे कुंड में डुबकी लगाने के बाद प्रमाण पत्र प्राप्त करना चाहते हैं।

प्रमाणपत्र तब सबूत के रूप में काम आते हैं कि उनके सिर पर कोई पाप नहीं है, और बहिष्कार रद्द किया जाना चाहिए। मंदिर के प्रमाण पत्र में लिखा है, गांवों के पंचों (पंचायत के सदस्यों) को पता होना चाहिए कि इस व्यक्ति ने श्री गौतमेश्वर जी के मंदाकिनी पाप मोचिनी गंगा कुंड में स्नान किया था, जिसे इसलिए बनाया गया था ताकि लोग उनके पाप का प्रायश्चित हो सकें। इसलिए यह प्रमाणपत्र उपलब्ध कराया गया है। कृपया उसे जाति समाज में वापस स्वीकार करें। स्थानीय सरपंच उदय लाल मीणा ने कहा कि पाप मोचिनी मंदाकिनी कुंड के पास एक कार्यालय में बैठने वाले अमीन के हस्ताक्षर और मुहर के साथ 12 रुपये में एक प्रमाण पत्र जारी किया जाता है। मीणा ने 'पीटीआई-भाषा को बताया, ऐसा माना जाता है कि प्रसिद्ध ऋषि महर्षि गौतम यहां स्नान करने के बाद गाय की हत्या के पाप से मुक्त हो गए थे। परंपरा का पालन किया जा रहा है और यह दृढ़ विश्वास है कि जो लोग इस कुंड में डुबकी लगाते हैं, वे अपने पापों से मुक्त हो जाते हैं। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। मंदिर के पुजारियों में से एक विकास शर्मा ने कहा, हर महीने हजारों लोग मंदिर में आते हैं, खासकर सावन के पवित्र महीने में और सोमवार को। एक अन्य पुजारी घनश्याम शर्मा ने कहा कि आदिवासी लोग अपने परिवार के सदस्यों के अंतिम संस्कार के बाद राख को कुंड में विसर्जित करते हैं।

मनोज जारांगे ने अनशन खत्म किया

मुंबई। जरांगे मराठा आरक्षण की मांग को लेकर 25 अक्तूबर से जालना जिले के अपने गांव अंतरवाली सरती में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। उन्होंने बुधवार शाम को कहा था कि वह अब से पानी भी नहीं पीएंगे। हालांकि, इससे पहले दिन में एक सर्वदलीय बैठक में आरक्षण की मांग का समर्थन करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया गया था। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जारांगे ने शिंदे सरकार के मंत्रियों से मुलाकात के बाद अपना अनशन समाप्त कर दिया। सरकार ने उनसे दो महीने के

भीतर मुद्दे को सुलझाने का वादा किया है। मंत्रियों द्वारा मनाए जाने के बाद जरांगे ने कहा कि जब तक सभी मराठों को आरक्षण नहीं मिल जाता, वह तब तक अपने घर में प्रवेश नहीं करेंगे। यदि दो महीने में कोई निर्णय नहीं लिया गया तो मुंबई में मराठा आरक्षण विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करूंगा।

देवबंद पहुंचे अखिलेश यादव, कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से किया स्वागत

सहारनपुर। समाजवादी पार्टी के मुखिया एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव बृहस्पतिवार को देवबंद में पूर्व विधायक माविया अली के बेटे के शादी समारोह में शिरकत के लिए पहुंचे। यहां कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी के साथ नारेबाजी करते हुए स्वागत किया। इस दौरान बड़ी संख्या में विधायक और सपा नेता मौजूद रहे।

दोपहर करीब 1.40 मिनट पर अखिलेश यादव का कारों का काफिला फिरदौस गार्डन पहुंचा। यहां पूर्व विधायक माविया अली सहित सपा विधायकों ने उनकी अगुवाई की और बुके भेंट कर उनका स्वागत किया। वहीं, कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए अपने नेता का स्वागत किया। इस दौरान अखिलेश यादव ने वर-वधू को अपना आशीर्वाद दिया। सुरक्षा की दृष्टि

से भारी पुलिस भर्ती तैनात किया गया था।

वहीं, अखिलेश यादव की झलक पाने को सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं की पुलिस के साथ नोंकझोक होते भी देखी गई। अखिलेश यादव जब फिरदौस गार्डन पहुंचे तो वह समारोह में जाने वाले गेट से पहले ही कार से उतर गए। जिन्हें सुरक्षाकर्मियों ने पुनः कार में बैठाया और दूसरे रास्ते से भीतर लेकर गए।

अखिलेश यादव के तय रूट में बड़ी चूक

सहारनपुर में सरसावा हवाई पट्टी पर उतारने के बाद पूर्व सीएम अखिलेश यादव का काफिला सरसावा की ओर मुड़ने के बजाय सहारनपुर की ओर चल दिया। जब पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को चूक का पता चला तो तब तक काफिला करीब दो किलोमीटर सहारनपुर की ओर पिलखनी के समीप राधा स्वामी सत्संग भवन तक जा चुका था। जिसके बाद सभी गाड़ियों को वापस मुड़ने के आदेश हुए और अखिलेश यादव का काफिला तय रूट पर ही आया।

पूर्व मुख्यमंत्री के प्रोटोकॉल के हिसाब से तय रूट पर सुरक्षा व्यवस्था के हिसाब से पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे लेकिन जिस रूट पर काफिला गलती से गया उस रूट पर पुलिसकर्मी तैनात नहीं थे।

वहीं, इस मामले में एसपी ट्रैफिक सिद्धार्थ वर्मा ने कहा कि यह मानवीय भूल थी, जिसे सुधार लिया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री का काफिला तय रूट पर ही देवबंद पहुंचा।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के देवबंद आगमन के मद्देनजर नगर में सुरक्षा व्यवस्था सर्तक है। सहारनपुर-मुजफ्फरनगर हाईवे और देवबंद-गंगोह बाईपास पर भारी मात्रा में पुलिस बल तैनात किया गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव यहां पूर्व विधायक माविया अली के पुत्र हैदर अली के शादी समारोह में शिरक्त करने के लिए आए हैं। यहां पर आधा घंटा रुकने के बाद वह दिगंवत राज्यमंत्री राजेंद्र सिंह राणा के पुज्ञ कार्तिकेय राणा के मजनूवाला रोड स्थित होटल पर पहुंचेंगे। जहां सपा कार्यकर्ता उनके स्वागत करेंगे।

बताया जा रहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री सपा कार्यकर्ताओं के साथ 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर चर्चा भी कर सकते हैं। इंस्पेक्टर सूबे सिंह ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री को जेड प्लस सिक्योरिटी मिली हुई है। इसलिए उनकी सुरक्षा में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। नागल, देवबंद, बड़गांव से भारी पुलिस बल बुलाया गया है। पीएसी भी लगाई गई है।

रक्षा मंत्री ने बंगलूरू को बताया तकनीकी राजधानी

दक्षिण भारत देश का सांस्कृतिक किला

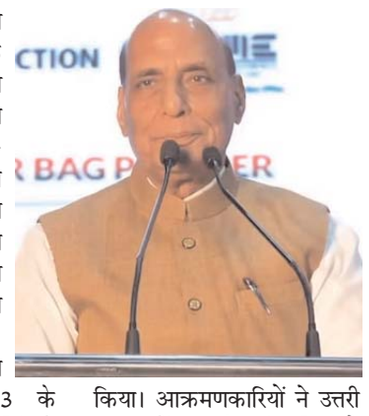

बंगलूरू। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कर्नाटक दौरे पर हैं। राजधानी बंगलूरू में आयोजित इंडिया मैनुफैक्चरिंग शो-2023 में शामिल होने पहुंचे राजनाथ ने भारत की क्षमता को रेखांकित करते हुए बंगलूरू को तकनीक की राजधानी करार दिया।

बंगलूरू में इंडिया मैन्युफैक्चरिंग शो-2023 के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, अगर दिल्ली राजनीतिक राजधानी है, तो बंगलूरू देश की टेक्नोलॉजी की राजधानी है।% उन्होंने कहा कि अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण आक्रमणकारियों के लिए दक्षिण भारत काफी दूर रहा है।

दक्षिणी भारत में भारतीय संस्कृति अधिक जीवंत

रक्षा मंत्री राजनाथ के अनुसार, उत्तर भारत ने सीधे आक्रमणकारियों का सामना किया। आक्रमणकारियों ने उत्तरी भारत में हमारी संस्कृति को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन दक्षिणी भारत आक्रमणकारियों से कम प्रभावित हुआ और परिणामस्वरूप, हम दक्षिणी भारत में भारतीय संस्कृति को अधिक जीवंत देख सकते हैं। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के दृष्टिकोण से अगर दक्षिण भारत को देश का सांस्कृतिक किला कहूं तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। उन्होंने कहा कि दक्षिण भारत भारतीय संस्कृति का सुरक्षित घर है।

राज्यपाल की विधेयकों को मंजूरी में कथित देरी

केरल सरकार ने दी सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

नयी दिल्ली। केरल सरकार ने लंबित विधेयकों को मंजूरी देने में राज्यपाल की ओर से कथित अत्यधिक देरी को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी है।

शीर्ष अदालत के समक्ष राज्य सरकार ने एक रिट याचिका के जरिए दावा किया है कि विधान सभा द्वारा पारित विधेयकों के निपटने में राज्यपाल द्वारा अनिश्चितकालीन देरी ने राज्य के लोगों को कल्याणकारी कानूनों के लाभों से वंचित कर दिया। यह देरी जनता के साथ गंभीर अन्याय है। याचिका में कहा गया है कि विधेयकों को लंबे एवं अनिश्चित काल तक लंबित रखने का राज्यपाल का आचरण भी स्पष्ट रूप से मनमाना और संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है। इसके अलावा यह संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत केरल राज्य के लोगों को कल्याणकारी कानून के लाभों से वंचित कर उनके अधिकारों को भी पराजित करता है। याचिका में आगे कहा गया है कि अत्यधिक देरी संविधान द्वारा परिकल्पित संसदीय लोकतंत्र की योजना के

विपरीत होने के अलावा लोगों की सामूहिक इच्छा को एकतरफा तरीके से दरकिनार करने के समान है। सरकार ने याचिका में दावा किया है कि राज्य विधानमंडल द्वारा पारित और संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत उनकी सहमति के लिए राज्यपाल को प्रस्तुत किए गए आठ विधेयक लंबित थे। इनमें से तीन विधेयक दो साल से अधिक समय से, जबकि तीन पूरे एक वर्ष से अधिक समय से लंबित हैं। सरकार ने दावा किया कि राज्यपाल के आचरण से कानून के शासन और लोकतांत्रिक सुशासन सहित हमारे संविधान के मूल सिद्धांतों और बुनियादी आधारों को बर्बाद करने का खतरा है। इसके साथ ही (यह व्यवहार) राज्य के लोगों के कल्याणकारी उपायों के अधिकारों को भी नुकसान पहुंचता है। याचिका में तर्क दिया गया है कि ऐसा प्रतीत होता है कि राज्यपाल का विचार है कि विधेयकों को अनुमति देना या अन्यथा उनसे निपटना उनके पूर्ण विवेक पर सौंपा गया मामला है और जब भी वे चाहें निर्णय लें। याचिका में कहा गया, यह स्थिति संविधान का पूर्ण विध्वंस है। केरल सरकार की ओर से यह रिट याचिका दायर करना इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह विपक्ष शासित पंजाब और तमिलनाडु सरकारों द्वारा दायर की गई ऐसी ही याचिकाओं के कुछ दिनों के भीतर दायर कई है।

भूटान के राजा वांगचुक भारत की आधिकारिक यात्रा पर आएंगे

नयी दिल्ली। भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक 03 से 10 नवंबर तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर आ रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को यहां बताया कि भूटान नरेश अपने देश की शाही सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कल नयी दिल्ली पहुंचेंगे। वह यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्री एस जयशंकर और भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भूटान नरेश से मुलाकात करेंगे। भूटान नरेश असम और महाराष्ट्र की यात्रा पर भी जाएंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और भूटान के बीच मित्रता और सहयोग के अनूठे संबंध हैं, जिनकी विशेषता समझ और आपसी विश्वास है।

ईडी नवल किशोर मीणा पर 15 लाख रुपये रिश्वत लेने का आरोप, राजस्थान एसीबी ने किया गिरफ्तार

जयपुर। एसीबी ने ईडी के अधिकारी नवल किशोर मीणा को ट्रैप किया है। एसीबी ने दलाल बाबूलाल को 15 लाख की घूस लेते गिरफ्तार किया है। इंस्पेक्टर के कई ठिकानों पर एसीबी कार्रवाई कर रही है। एसीबी के वरिष्ठ अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। एसीबी की कई जगहों पर कार्रवाई जारी है।

नॉर्थ ईस्ट में इंफाल के ईडी आफिसर नवल किशोर मीणा को एसीबी ने कस्टडी में लिया है। बताया जा रहा है कि नवल किशोर के लिए एक बिचौलिया घूस मांग रहा था। घूस लेने वाले को भी एसीबी ने दबोच लिया है। बता दें कि मणिपुर में एक चिट फंड कंपनी के केस में सैटलमेंट करने और अन्य सुविधा देने के नाम पर पीड़ित से 17 लाख रुपये मांग रहा था। लेकिन उसे पंद्रह लाख रुपये लेते हुए धर लिया गया।

उसके लिए काम करने वाले उसके सहयोगी को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। यह ट्रैप अलवर में किया गया है। मामला बड़ा होने के चलते एसीबी के अन्य अधिकारी भी अलवर के लिए रवाना हो गए हैं। एसीबी अफसरों ने बताया कि मणिपुर में

पिछले दिनों कुछ लोगों के खिलाफ चिट फंड कंपनी चलाने और ठगी का केस दर्ज हुआ था। इस केस में पीड़ित से ईडी वाले रुपये मांग रहे थे। पीड़ित ने पुलिस एसीबी अफसरों को बताया कि ईडी अधिकारी नवल किशोर मीणा और उनके सहायक कर्मचारी बाबूलाल मीणा उनसे रुपये मांग रहे थे। चिटफंड कंपनी के केस में उनकी सम्पत्ति अटैच नहीं करने की एवज में ये रुपये मांगे जा रहे थे। साथ ही केस को भी रफा दफा करने की बात की जा रही थी। इस मामले में मणिपुर के इंफाल में लगे प्रवर्तन अधिकारी नवल किशोर मीणा रुपये मांग रहे थे। नवल किशोर मीणा जयपुर के बस्सी के और बाबूलाल मीणा भी बस्सी के ही रहने वाले हैं। बाबूलाल ही इस केस में मीडियेटर का काम कर रहे थे। वे फिलहाल अलवर के खैरथल में कनिष्ट सहायक कार्यालय, उप पंजीयक के पद पर तैनात हैं।

वाम के कार्यक्रम में सीएम नीतीश पहुंचे, लालू गायब, मंच से ही कांग्रेस के रवैए पर जताया एतराज

पटना। कांग्रेस के कार्यक्रम में लालू प्रसाद थे तो नीतीश कुमार नहीं। इस बार सीपीआई के कार्यक्रम में लालू की गैरहाजिरी में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विपक्षी एकता के अपने प्रयासों की चर्चा करते हुए कांग्रेस के उदासीन रवैये पर कटाक्ष किया।

÷देश का इतिहास बदलने वालों से मुक्ति के खिलाफ इंडि एलायंस का गठन किया गया था। यह हो गया, लेकिन अभी ज्यादा काम नहीं हो पा रहा। अभी पांच जगह विधानसभा का चुनाव है। कांग्रेस पार्टी तो उसी को लेकर ज्यादा इच्छुक है। हमलोग तो

कांग्रेस को आगे बढ़ाने के लिए एकजुट होकर काम कर रहे थे। लेकिन, अभी उनको इन सब चीज की चिंता है नहीं। अभी वह लगे हुए हैं पांच राज्यों के चुनाव में। इसलिए, जब पांच राज्य का चुनाव होगा तो अपने सबको बुलाएंगे। अभी कोई चर्चा नहीं हो रही है।÷ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भारतीय कॉम्युनिस्ट पार्टी के मंच से अपनी मेहनत का जिक्र करते हुए कांग्रेस से मिल रहे कष्ट का खुलासा किया। पिछले दिनों कांग्रेस के कार्यक्रम में वह नहीं गए थे और वहां राष्ट्रीय जनता दल अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की शान में कसीदे गढ़े गए थे। लालू ने राहुल की प्रशंसा की थी। इस बार सीपीआई के कार्यक्रम में लालू को भी बुलाया गया था, लेकिन वह नहीं आए। नीतीश पहुंचे तो उन्होंने सभा में अपना कष्ट जाहिर करते हुए पांच राज्यों के चुनाव के बाद एलायंस का काम बढ़ने की उम्मीद जताई।

कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बेटे को ईडी का समन

जयपुर। प्रवर्तन निदेशालय की ओर से राजस्थान कांग्रेस प्रमुख गोविंद सिंह डोटासरा के बेटे को नोटिस जारी किया गया है। जानकारी के मुताबिक, विभाग ने कथित पेपर लीक केस को लेकर यह नोटिस जारी किया है। देश में भ्रष्टाचार के खिलाफ ईडी का कार्रवाई लगातार जारी है। समाचार एजेंसी एएनआई की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, विभाग ने कथित पेपर लीक केस को लेकर यह नोटिस जारी किया है। खबरों के मुताबिक पिछले हफ्ते डोटासरा के आवास पर हुई ईडी की छापेमार कार्रवाई में उनके बेटे के खिलाफ कुछ जानकारी मिली है, जिसको लेकर अब पूछताछ के लिए ईडी ने समन जारी किया है।

आंदोलनकारियों का फूटा गुस्सा,सीएम और डिप्टी सीएम के पोस्टरों पर कालिख पोती

ठाणे। महाराष्ट्र में मराठा समुदाय के लिए सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण की मांग बहुत पुरानी है। साल 1997 में मराठा संघ और मराठा सेवा संघ ने सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण के लिए पहला बड़ा मराठा आंदोलन किया। मराठा आरक्षण को लेकर आंदोलनकारियों में गुस्सा बढ़ता जा रहा है। कुछ प्रदर्शनकारी बसों पर लगे सीएम एकनाथ शिंदे और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस के पोस्टर पर कालिख पोतते नजर आए। वीडियो ठाणे के भिवंडी का बताया जा रहा है।

मराठा आरक्षण पर शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने कहा, 'उद्धव ठाकरे ने भी यही कहा है कि मराठा समुदाय और उसके नेता आंदोलन कर रहे हैं। आंदोलन सामान्य नहीं है। पूरे

महाराष्ट्र में आगजनी और हिंसा हो रही है। मराठा समुदाय को महाराष्ट्र में आरक्षण मिलना चाहिए, लेकिन आदिवासियों या ओबीसी को दिए गए आरक्षण में बदलाव किए बिना। यही सबकी मांग है, हमारी मांग है।'

मराठा आरक्षण का मुद्दा क्या है?

महाराष्ट्र में मराठा समुदाय के लिए सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण की मांग बहुत पुरानी है। साल 1997 में मराठा संघ और मराठा सेवा संघ ने सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण के लिए पहला बड़ा मराठा आंदोलन किया। प्रदर्शनकारियों ने अक्सर कहा है कि मराठा उच्च जाति के नहीं बल्कि मूल रूप से कुनबी यानी कृषि समुदाय से जुड़े थे।

मौजूदा स्थिति की बात करें तो मराठा समुदाय महाराष्ट्र की आबादी का लगभग 31 प्रतिशत है। यह एक प्रमुख जाति समूह है लेकिन फिर भी समरूप यानी एक समान नहीं है। इसमें पूर्व सामंती अभिजात वर्ग और शासकों के साथ-साथ सबसे ज्यादा वंचित किसान शामिल हैं। राज्य में अक्सर कृषि संकट, नौकरियों की कमी और सरकारों के अधूरे वादों का हवाला देते हुए समाज ने आंदोलन किये हैं। 2018 में महाराष्ट्र विधानमंडल से मराठा समुदाय के लिए शिक्षा और सरकारी नौकरियों में 16त्न आरक्षण का प्रस्ताव वाला एक विधेयक पारित किया गया। विधेयक में मराठा समुदाय को सरकार ने सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ा वर्ग घोषित किया। विधानमंडल में पारित होने के बाद मराठा आरक्षण का मामला अदालती हो गया। जून 2019 में बम्बई उच्च न्यायालय ने मराठा आरक्षण की संवैधानिकता को बरकरार रखा, लेकिन सरकार से इसे राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की सिफारिश के अनुसार 16त्न से घटाकर 12 से 13त्न करने को कहा। इस आरक्षण को बड़ा झटका तब लगा जब मई 2021 को जब सुप्रीम कोर्ट ने मराठा आरक्षण को असंवैधानिक ठहराया और कानून को रद्द कर दिया। अदालत ने माना कि मराठा आरक्षण 50 फीसदी सीलिंग का उल्लंघन कर दिया गया था। महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रजनीश सेठ ने बुधवार को कहा था कि राज्य पुलिस ने मराठा आरक्षण आंदोलन के दौरान हुई हिंसा के सिलसिले में अब तक 141 मामले दर्ज किए हैं।

जम्मू-कश्मीर के रामबन में पुल निर्माण उल्लेखनीय उपलब्धि : गडकरी

नयी दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने जम्मू-कश्मीर के रामबन में चार लेन के 1.08 किमी लंबी पुल निर्माण परियोजना का कार्य पूरा होने पर खुशी जाहिर करते हुए इसे उल्लेखनीय उपलब्धि करार दिया है। श्री गडकरी ने कहा कि 1.08 किमी लम्बे इस पुल के निर्माण पर 328 करोड़ रुपये की लागत आई है। यह परियोजना राष्ट्रीय राजमार्ग-44 के उधमपुर-रामबन खंड पर स्थित है।

यह विशिष्ट पुल 26 खंडों से बना है और इसकी संरचना में कंक्रीट और स्टील गर्डर्स का उपयोग किया गया है। इसके पूरा होने से रामबन बाजार में पहले लगने वाली वाहनों की भीड़ काफी हद तक कम हो गई है और यातायात का प्रवाह सुगम हो गया है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर में बुनियादी ढांचे का विकास तेजी से हो रहा है और इस ऐतिहासिक पुल के निर्माण से न केवल क्षेत्र की आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा मिलेगा बल्कि एक शीर्ष स्तरीय पर्यटक स्थल के रूप में इसका आकर्षण भी बढेगा।

गलत उपचार की स्वीकारोक्ति पर भाजपा ने ममता से मांगा इस्तीफा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के एसएसकेएम अस्पताल में कथित गलत इलाज के कारण उनके पैर में सेप्टिक संक्रमण हो जाने की स्वीकारोक्ति के बाद उनसे इस्तीफा मांगा है। सुश्री बनर्जी ने बुधवार को नबन्ना (राज्य सचिवालय) में संवाददाताओं से कहा था कि गलत इलाज के कारण उनके पैर में सेप्टिक संक्रमण हो गया है ,जिसके कारण वह सात दिनों तक चलने-फिरने में असमर्थ हैं।मुख्यमंत्री के इस बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए विपक्ष के नेता शुवेंदु अधिकारी ने उनसे इस्तीफे की मांग की है। श्री अधिकारी ने एक्स पर लिखा, एसएसकेएम अस्पताल में अपने गलत इलाज के बाद मुख्यमंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रमुख अस्पताल के डॉक्टर प्रशासनिक दबाव में झूठी कागजी कार्रवाई करने और कम चिकित्सा सेवाएं देने में व्यस्त हैं। भाजपा सांसद दिलीप घोष ने गुरुवार को एसएसकेएम अस्पताल पर बयान के लिए स्वास्थ्य मंत्री को कारण बताओ नोटिस देने की मांग की और कहा कि अति विशिष्ट व्यक्ति के साथ अगर ऐसा होता है तो आम लोगों के साथ क्या होगा।

भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा की पत्रकार वार्ता

तुष्टिकरण के लिए कांग्रेस 'चंदन छिपाकर, चादर दिखाने' का काम करती है : रामेश्वर शर्मा

भोपाल। हर हिंदू को, सनातनी को यह याद रखना चाहिए कि कांग्रेस न पहले हमारी थी, न आज हमारी है। राम मंदिर आंदोलन के दौरान जब मुलायम सिंह की सरकार ने 17-18 साल के दो कोठारी बंधुओं को गोली मारी थी, तब इसी कांग्रेस ने मुलायम सरकार की पीठ थपथपाई थी। जब कारसेवकों को गिरफ्तार किया गया, सपा, बसपा, कांग्रेस और अन्य दल मिलकर कारसेवकों पर हमला कर रहे थे। नफरत हम नहीं फैलाते, नफरत तो कारसेवकों को गोली मारकर, बाबरी मस्जिद को शहीद कहकर, भगवा को आतंकवादी कहकर कांग्रेस फैला रही है। नफरत तो कांग्रेस हिंदू को 'नफरती हिंदू' कहकर फैला रही है। यह बात भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं विधायक श्री रामेश्वर शर्मा ने गुरुवार को प्रदेश मीडिया सेंटर में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कही।

जैसे-जैसे राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समीप आ रही, कांग्रेस के निकल रहे प्राण

श्री रामेश्वर शर्मा ने कहा कि जैसे-जैसे अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे कांग्रेस के प्राण निकलने लगे हैं। कांग्रेस अब नए-नए शब्द गढ़ने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस के नेताओं ने पहले भगवाधारी साधु संतों को, टीका लगाने वालों को मंदिर जाने वालों को, आतंकवादी कहा, गुंडा कहा और लड़की छेड़ने वाला कहा। श्रीमान बंटाढार दिग्विजय सिंह तो हिंदू धर्म को धर्म नहीं मानते और गाय को गौमाता नहीं मानते। मगर आतंकवादियों को 'जी' कहकर संबोधित करते हैं। इसी परंपरा को आगे रखते हुए कांग्रेस के एक और युवा नेता जीतू पटवारी ने एक नया शब्द और पैदा कर दिया है- 'नफरती हिंदू'। श्री शर्मा ने कहा कि जब आतंकवादी कांग्रेस की सरकार के सामने बम धमाके कर रहे थे, मुंबई पर हमला किया था, तब देश एक स्वर में कह रहा था कि आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करो, देश तुम्हारे साथ है। उस समय कांग्रेस एक शब्द गढ़ने में व्यस्त थी-भगवा आतंकवाद। यह शब्द गढ़कर कांग्रेस ने साधु-संतों और हिंदू समाज के लिए काम करने वाले लोगों को बदनाम किया। अब यही काम जीतू पटवारी कर रहे हैं।

आतंकियों, दंगाइयों से इतनी मोहब्बत क्यों है?

श्री शर्मा ने बताया कि हाल ही में कांग्रेस ने खरगोन में जिन लोगों ने आगजनी की, घर

जलाए, बहन-बेटियों से छेड़खानी की, शोभायात्रा पर पथराव किया, कांग्रेस की सरकार बनने पर उनके मामलों की जांच होगी और उन्हें बचाने के प्रयास किए जाएंगे। मैं कांग्रेस पार्टी से कहना चाहता हूं कि अगर आतंकवादियों, दंगाइयों से इतनी ही मोहब्बत है तो फिर कान खोल कर सुन लो, देश और मध्यप्रदेश की धरती पर तुम्हारी सरकार किसी कीमत पर नहीं बनेगी। उन्होंने कहा कि जिस छत से पत्थर फेंके जाएंगे, वह छत जरूर टूटेगी। जो हाथ बहन-बेटियों से छेड़खानी करेंगे, उन्हें जरूर तोड़ा जाएगा और जेल में भी डालेंगे। जो श्रीराम, श्रीकृष्ण, महावीर, गौतम बुद्ध और गुरुनानक की शोभा यात्राओं पर पथराव करेंगे, उनके भी वही हाल होंगे, जो आतंकवादियों के होते हैं।

बाबरी मस्जिद से इतनी मोहब्बत है, तो खुलकर कहो कारसेवकों ने गलत किया

श्री शर्मा ने कहा कि पिछले चुनाव में कमलनाथ एक समाज के लोगों से कह रहे थे कि जमकर वोट करना वरना भाजपा आ जाएगी। कांग्रेस के एक और नेता जीतू पटवारी को सारे हिंदू 'नफरती हिंदू' नजर आ रहे हैं। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि क्या अयोध्या में श्री राम के मंदिर निर्माण की बात करने वाले नफरती हैं? जब पीएफआई पर कार्रवाई हो, तो दिग्विजय सिंह कहते हैं कि 97 प्रतिशत आरोप गलत हैं। वही कांग्रेस पार्टी जब भगवान श्रीराम के पोस्टर लगे तो शिकायत दर्ज कराने पहुंच जाती है। मैं पूछना चाहता हूं कि कांग्रेस आखिर किस से मोहब्बत करती है? वो किस के साथ है, बताती क्यों नहीं?

मैं श्री दिग्विजय सिंह, श्री कमलनाथ, श्री जीतू पटवारी, श्री रवि और बाबरी मस्जिद को शहीद बताने वाले श्री के.के.मिश्रा से कहना चाहता हूं कि अगर तुम्हें बाबरी मस्जिद से इतनी ही मोहब्बत है, तो खुलकर कहो कि कारसेवकों ने गलत किया था। अभी कांग्रेस के एक नेता ने कहा कि रामेश्वर शर्मा तो गुंडे हैं, क्योंकि वो 6 दिसंबर को कारसेवकों में शामिल थे। हम डंके की चोट पर कहते हैं कि 6 दिसंबर को हम कारसेवक थे और कारसेवकों ने जो किया, वह देश के स्वाभिमान के लिए किया। श्री शर्मा ने कहा कि मैं जीतू पटवारी और 'नफरती हिंदू' कहकर हिंदुओं को बदनाम तथा डिमोरलाइज्ड करने वाली कांग्रेस पार्टी से यह कहना चाहता हूं कि हम 'नफरती हिंदू' नहीं हैं, हम हिंदुस्तान के असली हिंदू हैं। हम देश के लिए भी मरेंगे और राम के लिए भी सिर कटाने को तैयार हैं।

कांग्रेस अपना असली चेहरा बताती क्यों नहीं?

शर्मा ने कहा कि कांग्रेस तू अपना असली चेहरा बताती क्यों नहीं? तू बोलती क्यों नहीं है कि तू हिंदुस्तान के हिंदुओं के साथ नहीं बल्कि पाकिस्तानियों के साथ है, आतंकवादियों के साथ है। इजराइल पर जब हमास के आतंकियों ने बर्बर हमला किया, तब कांग्रेस की राष्ट्रीय कार्यसमिति ने क्या कहा, वो भी सब को मालूम है। शर्मा ने कहा कि पूरी कांग्रेस हिंदुओं के खिलाफ नफरत के बीज बो रही है, हिंदुओं को बदनाम करने की साजिश रच रही है। कांग्रेस राम के भी खिलाफ है, क्योंकि वो राम को काल्पनिक बताती है और सुप्रीम कोर्ट में राम के खिलाफ 24 वकील खड़े करती है। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान के आम जन को यह समझना होगा कि कांग्रेस न तो हिंदुओं की है न सनातनी की है। शर्मा ने कहा कि हम कांग्रेस से पूछना चाहते हैं कि हिंदुओं से इतनी नफरत क्यों है? और अगर हिंदुओं से इतनी नफरत है, तो कांग्रेस के नेता चुनाव के समय टीका लगाने और मंदिर जाने का ढोंग क्यों करते हैं। उन्होंने कहा कि इससे साफ है कि कांग्रेस के मुंह में राम बगल में छुरी, हिंदुओं के बारे में नीयत बुरी।

कटारा हिल्स में एसी के शार्ट सर्किट से घर में लगी आग

भोपाल। कटारा हिल्स क्षेत्र में स्थित एक घर में गुरुवार को एसी में शार्ट सर्किट हो गया। कुछ ही देर में इससे चिंगारी निकलने लगी और आग पकड़ ली। घर मालिक को इसकी जानकारी लगी तो उसने पहले बिजली कट कर दी। जिससे आग आगे नहीं बढ़ी। वहीं बाथरुम से पानी लाकर इस आग को बुझाया।

रहवासी कुलदीप पटेल ने बताया कि कटारा हिल्स में अमलताश आमरीन नाम की इमारत है। इसकी दूसरी मंजिल पर एक फ्लैट में संदीप भसीन रहते हैं। शाम साढ़े पांच बजे अचानक एसी में शार्ट सर्किट से आग लग गई। जिसके कुछ ही देर में यह आग भड़क गई और पर्दे समेत घर के अन्य सामान को भी अपनी चपेट में ले लिया। हालांकि रहवासियों की सूझबूझ से आग ज्यादा नहीं फैल पाई

और इस पर काबू पा लिया गया।

आठ घंटे तक गुल रही लाइट

बता दें कि शार्ट सर्किट होने से जहां घर में आग लगी और एसी पिघल गया। वहीं पूरे इमारत की बिजली गुल हो गई। हालांकि रहवासियों ने इसकी शिकायत बिजली विभाग के अधिकारियों से की, फिर भी आठ घंटे तक यहां के 400 रहवासियों को अंधेरे में गुजारना पड़ा। रहवासी प्रियंका तिवारी ने बताया कि इमारत में बिल्डर द्वारा अग्निसुरक्षा के इंतजाम भी नहीं किए गए हैं। जब आग लगी, तब न तो फायर अलार्म काम कर रहा था और न ही अग्निशमन सिलेंडर चलाना किसी को आता था। वहीं सिलेंडर भी एक्सपायर हो चुका था।

निगम कर्मचारियों का छह वर्षों से जमा नहीं हुआ 44 करोड़ का ईपीएफ

भोपाल। नगर निगम भोपाल अपने कर्मचारियों के वेतन से जीपीएफ, ईपीएफ और ईएसआईसी की राशि काट रहा है। लेकिन बीते छह सालों से यह राशि संबंधित विभाग को जमा नहीं की। वहीं राष्ट्रीय त्यौहारों पर कर्मचारियों से काम लिया जा रहा है और अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरण पटक रखे हैं। इन तीनों मुद्दों को लेकर नगरीय प्रशासन आयुक्त भरत यादव ने एक्शन लिया है। उन्होंने निगम कमिश्नर को पत्र लिखकर साफ कहा है कि कर्मचारियों का जीपीएफ, ईपीएफ और ईएसआईसी की राशि हर महीने जमा करें। अगर कर्मचारियों से राष्ट्रीय त्यौहारों पर काम लिया जा रहा है तो आगे किसी दिन छुट्टी भी दें।

दरअसल दो महीने पहले एक शिकायत नगरीय प्रशासन कमिश्नर भरत यादव के पास

पहुंची थी। जिसमें नगर निगम भोपाल के 11 हजार 894 दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों के खातों से हर महीने राशि काटने और इसे भविष्य निधि कार्यालय में जमा न करने की बात कही गई थी। नगर निगम की नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी ने यह शिकायत की थी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2016-17 से वर्ष 2021-22 तक लगभग 44 करोड़ 37 लाख रूपए की राशि भविष्य निधि कार्यालय में नगर निगम ने जमा नहीं की है। नगरीय प्रशासन कमिश्नर को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि हर महीने कर्मचारियों के वेतन से 12 प्रतिशत राशि काटी जा रही है। ताकि रिटायर्डमेंट या तीज-त्यौहारों पर कर्मचारी यह राशि निकाल सकें। लेकिन आवेदन करने पर कर्मचारियों को पता चलता है कि उनके खाते में निगम ने डाली ही नहीं है। नेता प्रतिपक्ष ने इस पत्र में निगम से मिली जानकारी का भी हवाला दिया।

नगरीय प्रशासन कमिश्नर ने कहा हर महीने जमा करें राशि

इस मामले को लेकर नगरीय प्रशासन कमिश्नर भरत यादव ने नगर निगम भोपाल सहित प्रदेश की सभी निकायों को पत्र लिखकर साफ कहा है कि कर्मचारियों के वेतन से काटी जाने वाली राशि हर महीने भविष्य निधि कार्यालय में जमा करें।

उन्होंने कर्मचारी संगठनों से मिली शिकायत का भी हवाला दिया। कमिश्नर ने राष्ट्रीय त्यौहारों पर छुट्टी न मिलने का भी जिक्र किया। अपने आदेश में कमिश्नर ने साफ कहा है कि कर्मचारी संगठनों ने निकाय कर्मचारियों से राष्ट्रीय पर्व पर छुट्टी न मिलने की बात कही है। अगर राष्ट्रीय पर्व पर काम लिया जा रहा है तो आगे किसी दिन छुट्टी देने की व्यवस्था करें।

मोदी की डबल इंजन की सरकार मध्य प्रदेश में जनता फिर से बनाना चाहती है: विश्वास सारंग

विश्वास सारंग का जनसंपर्क 2.0: गुरुवार को वार्ड 37 और 76 में किया जनसंपर्क

भोपाल। नरेला से भाजपा के उम्मीदवार विश्वास सारंग का धुंआधार जनसम्पर्क लगातार जारी है. पहले फेज में सभी 17 वार्डों में घर-घर जनसंपर्क के बाद सारंग ने दूसरे फेज का जनसंपर्क भी शुरू कर दिया है. दूसरे फेज में सारंग सभी वार्डों के उन इलाकों में जनसंपर्क कर रहे है जो पहले फेज में छूट गए थे. गुरूवार को उन्होंने वार्ड क्रमांक 76 और 37 में जनसंपर्क किया.

इस दौरान सारंग ने कहा, नरेला में हमारा जनसंपर्क 2.0 की शुरुआत हुई है. एक बार हम सभी वार्डों में डोर टू डोर जनसंपर्क कर चुके हैं, अब हमारा दूसरा राउंड शुरू हुआ है. भाजपा के पक्ष में जबरदस्त रिस्पॉन्स है. विकास को लेकर जनता में स्वीकारिता है. मोदी जी की डबल इंजन की सरकार मध्य प्रदेश में जनता फिर से बनाना चाहती है. जनता का पूरा समर्थन है, नरेला में फिर एक बार प्रचंड बहुमत से कमल खिलने वाला है.

मिल रहा जबरदस्त समर्थन

जनसंपर्क के दौरान विश्वास सारंग को लोगों का जबरदस्त समर्थन मिल रहा है. सुबह के जनसंपर्क की शुरुआत सारंग ने वार्ड क्रमांक 76 से की. अपने

जनसंपर्क के दौरान जिस गली से निकले वहां के घरों की छतों से रहवासी उन पर फूलों की बारिश की।

बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक हर कोई अपने घरों से निकल कर उनके स्वागत के लिए खड़े हो गए. महिलाओं ने उनकी आरती उतरती और तिलक लगाया. रहवासियों ने उनका जम कर ढ़ोल-ढामाकों के साथ स्वागत किया और क्षेत्र में हुए विकास कार्यों के लिए धन्यवाद दिया. इस दौरान उन्होंने सभी बुजुर्गों के पैर छू कर जीत का आशीर्वाद लिया.

दिन का दूसरा जनसंपर्क विश्वास सारंग ने वार्ड क्रमांक 37 में किया. इस दौरान रहवासियों ने भव्य तरीके से उनका स्वागत किया. सैकड़ो की संख्या में लोग का कालीफा उनके पीछे-पीछे चकता रहा. महिलाओं ने अपने-अपने घरों से निकल कर उन पर फूल बरसाए और आरती उतार कर तिलक लगाया. सभी ने अपने क्षेत्र में हुए विकास कार्यों के लिए उनका धन्यवाद दिया और प्रचंड मतों से जीत दिलाने का भरोसा जाताया.

यहां हुआ जनसंपर्क

वार्ड 76 का जनसंपर्क सत्यज्ञान नगर कॉलोनी से शुरु हुआ, जो शंकर नगर मेन रोड होते हुए समस्त गलियां, उड़िया बस्ती की समस्त गलियां, नई बस्ती शंकर नगर, चांदवाड़ी, न्यू सुंदर नगर पानी की टंकी से शंकर जी का मंदिर (चांदवाड़ी), सभ्या त्रिपाठी जी के घर के सामने से राजेश, श्रीवास की गली - नगर निगम कॉलोनी की छोटी गलों में प्रवेश करते हुए, नगर निगम कॉलोनी की मुख्य सड़क से बाहर निकलते हुए टिम्बर मार्केट पर समाप्त हुआ. वार्ड 37 का जनसंपर्क सेमरा मंडी से प्रारंभ हुआ, जो बापू कॉलोनी विजय नगर, सेमरा गली नं. 10, 11, 12, सेमरा गली नं. 09, 08, 07, 06, राजवीर कॉलोनी, प्रताप गुर्जर जी वाली गली दुर्गा नगर से होते हुए राजेंद्र नगर हनुमान मंदिर पर समाप्त हुआ.

समाजवादी पार्टी मध्य प्रदेश में 71 प्रत्याशियों के साथ चुनाव मैदान में उतर रही है - यश भारतीय

समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय प्रवक्ता यश भारतीय ने बताया कि 71 प्रत्याशियों के साथ चुनाव लड़ रही है। भाजपा शासन में पूर्ण रूप से हर व्यक्ति के ऊपर महंगाई कि मार पड़ रही है जनता कि जेब खाली हो रही है और भाजपा का खजाना बढ़ता जा रहा है ऐसी उद्योगपतियों कि सरकार को समाजवादी पार्टी जड़ से उखाड़ फेंकने का काम करेगी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री अखिलेश यादव जी कल दिनांक 3 नवंबर को छतरपुर जिले कि चंदला विधानसभा से पुष्पेंद्र अहिरवार जी के समर्थन में जनसभा को संबोधित करेंगे ।

सपा मप्र में 71 प्रत्याशियों को चुनाव मैदान में उतर रही है : यश भारतीय

भोपाल। समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय प्रवक्ता यश भारतीय ने बताया कि 71 प्रत्याशियों के साथ चुनाव लड़ रही है। भाजपा शासन में पूर्ण रूप से हर व्यक्ति के ऊपर महंगाई कि मार पड़ रही है जनता कि जेब खाली हो रही है और भाजपा का खजाना बढ़ता जा रहा है ऐसी उद्योगपतियों कि सरकार को समाजवादी पार्टी जड़ से उखाड़ फेंकने का काम करेगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय खिलेश यादव कल दिनांक 3 नवंबर को छतरपुर जिले कि चंदला विधानसभा से पुष्पेंद्र अहिरवार जी के समर्थन में जनसभा को संबोधित करेंगे ।

निजी कंपनी के अकाउंटेंट ने कर्मचारियों की पगार के साढ़े आठ लाख रुपये हड़पे

भोपाल । बागसेवनिया थाना क्षेत्र में स्थित एक निजी कंपनी के अकाउंटेंट ने कर्मचारियों को हर माह मिलने वाली सैलरी को आइडी, पासवर्ड की मदद से अपने रिश्तेदारों व परिचितों के खातों में ट्रांसफर कर लिया। इस तरह आरोपित ने कंपनी के खाते से करीब साढ़े आठ लाख रुपये हड़प लिए। कंपनी के एचआर मैनेजर की शिकायत पर पुलिस ने आरोपित के खिलाफ धोखाधड़ी और गबन का केस दर्ज किया है। एसआइ गंगाराम वर्मा ने बताया कि साकेत नगर निवासी राहुल सिंह एम्स अस्पताल गेट नंबर 4 के पीछे साकेत नगर स्थित श्रीजी इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी में एचआर मैनेजर हैं।

बीसीएलएल ने बनाए 800 रुपये के स्मार्ट पास बसों में नहीं चलने से 1200 यात्री परेशान

भोपाल। शहर में बीसीएलएल की बसों में यात्रा करने के लिए 800 रुपये के स्मार्ट पास बनाए गए हैं। इनसे लोग विभिन्न मार्गों के किसी भी बस में यात्रा कर सकते हैं। लेकिन अब इन पास को बस आपरेटर स्वीकार नहीं कर रहे हैं। जिससे शहर के 1200 से अधिक छात्र और नौकरीपेशा परेशान हो रहे हैं।

बता दें कि 800 रुपए वाला स्मार्ट पास लेने के बाद यात्री महीने भर किसी भी मार्ग की बस में असीमित सफर कर सकते हैं, लेकिन पिछले दो दिनों से इन लोगों को बस में चढ़ने नहीं दिया जा रहा। अगर कोई चढ़ भी गया तो उसे रास्ते में जबरन उतार दिया जाता है। कंडक्टर कह रहे हैं कि मल्टी रूट पास नहीं चलेगा, सेपरेट रूट पास बनवाओ। बाकायदा बसों में पास मान्य न होने का नोटिस भी चस्पा किया गया है। इस मामले में यात्री बीसीएलएल में भी शिकायत कर चुके हैं। लेकिन वहां भी यात्रियों को कोई राहत नहीं मिली।

इसलिए बस आपरेटर नहीं स्वीकार कर रहे पास

बता दें कि 800 रुपये का मासिक पास बीसीएलएल ने बनाया है। इसके अलावा आपरेटर्स को अलग-अलग मार्गों पर सिंगल रूट पास बनाने की छूट भी दी गई है। जैसे- नीलबड़ से 10 नंबर रूट पर सिंगल रूट पास बनेगा, तो इसका पैसा सीधे बस आपरेटर्स को मिलेगा। 800 रुपए वाला पास आनलाइन बनता है। यह बीसीएलएल की सभी बसों और रूट्स पर मान्य होता है। इसका पैसा अलग-अलग आपरेटर्स में डिवाइड होता है। यही वजह है कि सीएनजी बस आपरेटर्स इस पास को नहीं मान रहे हैं।

इनका कहना है

बस आपरेटरों के द्वारा 800 रुपये के पास स्वीकार नहीं करने की शिकायत मिली है। इस संबंध में बस आपरेटर्स को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है।

- संजय सोनी, पीआरओ, बीसीएलएल

25 मार्गों पर चल रही हैं 360 बसें

नगर निगम की होल्डिंग कपंनी बीसीएलएल शहर में 25 रूटों पर पास 360 सिटी (रेड) बसों का संचालन करती है। इनमें 77 सीएनजी और बाकी 283 डीजल बसें हैं। इन बसों पास का रुटीन में इस्तेमाल करने वालों के लिए बीसीएलएल ने पास सिस्टम बस सुविधा दी है।

संपादकीय

डेटा में सेंधमारी

देश के नागरिक सरकारी एजेंसियों के सुरक्षा उपायों पर भरोसा करके अपनी निजी संवेदनशील जानकारी विभिन्न सरकारी सुविधाओं की जरूरत के लिये उपलब्ध कराते हैं। विभिन्न योजनाओं के लिये अनिवार्य रूप से निजी जानकारी उपलब्ध कराने को लेकर गाहे-बगाहे बहस चलती रहती है कि क्या अपनी निजी व गोपनीय जानकारी सरकार की किसी योजना हेतु देने की बाध्यता है। कुछ लोग इसे निजता में अतिक्रमण मानते हैं। इसकी एक आशंका यह भी रही है कि ऑनलाइन सेवाओं व सुविधाओं के विस्तार के बाद नागरिकों के डेटा की फुलप्रूफ सुरक्षा की गारंटी नहीं दी जा सकी है। नागरिकों की यह आशंका उस समय हकीकत में घटित होती दिखी जब अमेरिका की साइबर सिक्योरिटी फर्म रिसिक्योरिटी ने दावा किया कि करीब 81.5 करोड़ भारतीय नागरिकों की निजी जानकारी बदनाम डार्क वेब पर बिक्री के लिये उपलब्ध है। कहा जा रहा है कि कोविड टीकाकरण के पंजीकरण के लिये भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा नागरिकों के आधारकार्ड के जरिये यह निजी जानकारी जुटाई गई थी। बताया जाता है कि कथित तौर पर यह जानकारी कोविड-19 के टीकाकरण रिकॉर्ड से निकाली गई है। निस्संदेह इस खबर ने भारतीय नागरिकों के निजी डेटा की सुरक्षा और गोपनीयता को लेकर चिंता बढ़ा दी है। यह जांच का विषय है कि कैसे इतने बड़े पैमाने पर नागरिकों का डेटा हैकरों द्वारा उड़ा लिया गया। इस गंभीर मामले की तह तक जाने की जरूरत है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि अमेरिकी फर्म की यह रिपोर्ट भारत सरकार द्वारा डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण कानून लागू करने के कुछ ही माह बाद आई है। यह कानून डिजिटल व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा के अधिकार को सुनिश्चित करता है। आज यह जरूरी है ताकि देश में डेटा की चोरी व छेड़छाड की तमाम घटनाओं पर अंकुश लग सके। यह हमारी चिंता का विषय होना चाहिए कि वर्ष 2022 में दुनियाभर में डेटा के दुरुपयोग के जो 2.29 बिलियन मामले दर्ज किये गये, उनमें से 20 फीसदी मामले भारत में सामने आए। इससे पहले भी जून में मीडिया में कुछ रिपोर्टें प्रकाशित हुई थीं, जिसमें कहा गया था कि कोरोना महामारी के दौरान सुव्यवस्थित टीकाकरण व कोरोना के रोगियों के उपचार के लिये स्वास्थ्य मंत्रालय का जो पोर्टल को-विन तैयार किया गया था, उसमें से लोगों की संवेदनशील जानकारी में सेंधमारी की गई है। तब मीडिया की इन रिपोर्टों को केंद्र सरकार ने खारिज कर दिया था। निस्संदेह, भारत में डेटा सुरक्षा सुनिश्चित करने को हमें अभी लंबा रास्ता तय करना है। दरअसल, हैकर इस मामले में सरकारी सुरक्षातंत्र को छकाने में कामयाब रहते हैं। निश्चित रूप से डेटा चुराने की जांच के अतिरिक्त भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम यानी सीईआरटी-इन को साइबर सुरक्षा समाधान प्रदान किया जाना चाहिए।

आर्थिक बदहाली में चुनाव की ओर पाक

जी. पार्थसारथी

पिछले दिनों विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट में जिस तरह अनाड़ी कहे जाने वाले अफगान खिलाड़ियों के हाथों पाकिस्तान टीम की शर्मनाक हुई, उससे पाकिस्तानी अवाम बहुत मायूस हुई। कभी क्रिकेट जगत को दिए अपने सबसे काबिल खिलाड़ियों के गौरवमयी इतिहास की विरासत पर नाज़ करना और इसके बने रहने की आस करना स्वाभाविक भी है। लेकिन हालिया हार ने देश में मुश्किल आर्थिक हालातों से पहले से व्याप्त मायूसी में और इजाफा कर दिया। लगातार बढ़ रही मुद्रास्फीति (फिलहाल 29.5 फीसदी) के बीच पाकिस्तान की आर्थिक वृद्धि असामान्य रूप से महज 0.5 प्रतिशत दर्ज हुई है। मौजूदा ब्याज दर (22 प्रतिशत) होने से देश में व्यापारिक गतिविधियां बर्बादी की कगार पर हैं। चंद हफ्ते पहले, पाकिस्तान केंद्रीय बैंक ने बताया कि विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 4.19 बिलियन डॉलर रह गया है, जिससे केवल एक महीने का आयात संभव है, वह भी जो, बहुत-सी बंदिशों के बाद करना जरूरी है। यह स्थिति न केवल अर्थशास्त्रियों के लिए बल्कि आम लोगों के लिए एक दुःस्वप्न है, हालिया भयंकर बारिश और अचानक आई अभूतपूर्व बाढ़ से देशभर मे 3.3 करोड़ लोग बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। सैलाब में लगभग 10000 लोगों की मौत और तकरीबन 10 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ बताया गया है। आर्थिक दुष्चक्र के अलावा ऐसी राजनीतिक घटनाएं हुई हैं, जिसके कारण इमरान खान सरकार को जाना पड़ा। उनकी जगह शाहबाज़ शरीफ ने ली, जो पंजाब के सफल मुख्यमंत्री रह चुके हैं। हालांकि केंद्र में आकर उन्हें खस्ताहाल आर्थिकी और देशभर में व्याप्त ध्रुवीकरण से जूझना पड़ा। अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष द्वारा रखी गई कड़ी शर्तों के सामने झुकने और अंततः पूरा करने से पहले, पाकिस्तान को समझौते के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। लेकिन इस सारी सहायता के बावजूद, पाकिस्तान अभी भी विदेशी खैरात पर गुजर करने वाला एक मुल्क है। अपनी तंगदस्ती से वक्ती राहत पाने को वह समय-समय पर अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और पड़ोसी अरब मित्र देशों, खासकर सऊदी अरब और यूएई से, मिली आर्थिक सहायता पर निर्भर है।

इसी बीच जनरल असीम मुनीर, जो पूर्व सेनाध्यक्ष बाजवा के खासमखास थे, सेना प्रमुख बन गए। जनरल मुनीर के ज़हन में अवश्य ही वह यादें होंगी, जब इमरान खान ने उन्हें आईएसआई प्रमुख होने से महरूम रखा था और गैर-महत्वपूर्ण ओहदे देकर इधर-उधर घुमाते रहे। इस घटनाक्रम ने एक ओर इमरान खान तो दूसरी तरफ जनरल मुनीर के नेतृत्व वाली सेना के बीच 'सब जायज है' वाली तनातनी की स्थिति बना दी। इमरान खान के खिलाफ अनेक मामले दर्ज किए गए हैं। हालांकि सर्वोच्च न्यायलय के मुख्य न्यायाधीश फैज़ ईसा का झुकाव उनको बचाने की ओर है। लेकिन मुख्य न्यायाधीश ईसा की राह भी अब उतनी आसान नहीं रही, क्योंकि उनकी सेवानिवृत्ति उपरांत कनिष्ठ सहयोगियों की नज़र इस ओहदे पर है और उनके अंदर न तो इमरान खान को बचाने में फैज़ ईसा जितना चाव है और न ही वे ऐसा करके सेना की नाराज़गी मोल लेना चाहेंगे, जो आज भी मुल्क में बहुत ताकतवर और प्रभाव रखती है। इस सब के बीच, देश चुनावी लय पकड़ चुका है। जनवरी, 2024 में संसदीय चुनाव करवाने का कार्यक्रम है। उम्मीद करें कि पाकिस्तान की चुनाव मशीनरी, कानून एवं व्यवस्था और सेना की मदद से ऐसा प्रबंध करवा पाएगी, जो आगामी राष्ट्रीय चुनाव सफलतापूर्वक करवाने को जरूरी है। वर्तमान में तिथियां अगले साल जनवरी माह में करवाए जाने की हैं। फिलहाल जनरल मुनीर के नेतृत्व वाली पाकिस्तानी सेना के लिए आगे भी विकटता बनी रहेगी, खुद सेना के अंदर जनरल मुनीर को लेकर मतभेद हैं, क्योंकि उन्हें यह ओहदा पूर्व सेनाध्यक्ष बाजवा की 'आंख का तारा' होने की वजह से मिला है। खुद बाजवा के करिश्माई नेता इमरान खान से तीखे मतभेद हैं। लिहाजा ऐसी संभावना कम ही है कि इमरान खान कथित स्वतंत्र और पारदर्शी संसदीय चुनाव में बहुमत ले पाएंगे। शाहबाज़ सरकार ने इमरान खान पर अनेक मामले दर्ज दिए थे और इस काम में उनकी पीठ पर सेना का हाथ था। इसके अलावा, इमरान खान ने अपने घमंडी और शाही मिजाज़ से राजनीतिक बिरादरी में कई मित्र गंवा दिए हैं।

फिर सामने आया फोन हैकिंग का जिन्न

नोटिफिकेशन केवल विपक्षी नेताओं को मिला है। इसमें एक्सेस नाउ की भूमिका दिखाई देती है। मालवीय ने कहा कि इसमें कोई आश्चर्य नहीं है क्योंकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी सब कुछ छोड़ कर प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करने दौड़ पड़े। मालवीय ने कहा यहां भयावह साजिश देखें। थ्रेड में एक्सेस नाउ के भारत में बनाए गए नेटवर्क की डिटेल भी है। भाजपा नेता ने एक्स पर लिखा कि यदि आप परियों की कहानियों में भरोसा करते हैं, तो क्या आप सोचेंगे कि यह सब कुछ संयोग है। असल में, बहुराष्ट्रीय कंपनी एप्पल ने विपक्ष के कुछ नेताओं को अलर्ट भेजा कि आपके आईफोन हैक किए जा सकते हैं। हमलावर आपके फोन के संवेदनशील डाटा, कैमरे और माइक्रोफोन आदि तक पहुंचने की कोशिश भी कर सकते हैं। एप्पल ने यह अलर्ट सिर्फ विपक्षी नेताओं को ही नहीं भेजा, बल्कि ऐसे लोगों तक भी भेजा है, जो सार्वजनिक जीवन में नहीं हैं। कुछ पत्रकारों और स्कॉलर्स तक भी यह अलर्ट पहुंचा है।

रोहित माहेश्वरी

तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा समेत विपक्ष के 8 से ज्यादा नेताओं ने 31 अक्टूबर को केंद्र सरकार पर फोन हैकिंग का आरोप लगाया है। मामले में आईटी मंत्रालय की पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमेटी एपल को समन भेजकर पूछताछ के लिए बुला सकती है। 31 अक्टूबर को महुआ मोइत्रा के अलावा कांग्रेस सांसद शशि थरूर, पवन खेड़ा, आम आदमी पार्टी सांसद राघव चड्ढा ने सोशल मीडिया पर आईफोन का अलर्ट मैसेज पोस्ट कर लिखा- सरकार उनके फोन और ईमेल को हैक करवाने की कोशिश कर रही है। कुछ घंटे बाद राहुल गांधी भी कांग्रेस कार्यालय पहुंचे और कहा कि एपल की ओर से जो अलर्ट आया है, वो मेरे ऑफिस में सभी को मिला है। भाजपा की सरकार और उसका फाइनेंशियल सिस्टम इस मामले से सीधे जुड़ा हुआ है।इन नेताओं में केसी वेणुगोपाल, पवन खेड़ा, सीताराम येचुरी, प्रियंका चतुर्वेदी, टीएस सिंह देव, महुआ मोइत्रा, राघव चड्ढा के नाम शामिल हैं। मामला सामने आने के बाद सियासी भूचाल आ गया और विपक्ष सरकार पर हमलावर हो गया। हालांकि, केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने विपक्ष के दावों को खारिज कर दिया. वैसे यह पहला मौका नहीं है, जब भारत में विपक्ष ने फोन टैपिंग के आरोप लगाए हों। इससे पहले भी कई बार फोन टैपिंग के मामले सामने आ चुके हैं।

साल 2021 में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बीजेपी पर स्पाईवेयर पेगासस के जरिए जासूसी करने का आरोप लगाया था। एमनेस्टी इंटरनेशनल और फॉरबिडेन स्टोरीज की एक रिपोर्ट के मुताबिक इजरायली कंपनी एनएसओ के पेगासस सॉफ्टवेयर से भारत में कथित तौर पर 300 से ज्यादा हस्तियों के फोन हैक किए थे। इनमें राजनेताओं, पत्रकारों और कई पूर्व प्रोफेसरों के फोन शामिल थे। राज्यसभा सांसद अमर सिंह ने 2006 में यूपीए सरकार और सोनिया गांधी पर फोन टैपिंग का आरोप लगाया था। उन्होंने दावा किया था इंटेलीजेंस ब्यूरो उनका फोन टैप कर रही है। भाजपा ने मामले में जॉर्ज सोरोस फंडेड एक्सेस नाउ और आईफोन नोटिफिकेशन के बीच संबंध का संकेत दिया। बीजेपी आईटी विभाग प्रमुख अमित मालवीय मालवीय ने एक्स पर एक नेटिजन का पोस्ट किया गया थ्रेड भी शेयर किया। कहा कि यह एक दिलचस्प थ्रेड है जो जॉर्ज सोरोस फंडेड एक्सेस नाउ और ऐप्पल नोटिफिकेशन के बीच एक लिंक खींचता है। नोटिफिकेशन केवल विपक्षी नेताओं को मिला है। इसमें एक्सेस नाउ की भूमिका दिखाई देती है। मालवीय ने कहा कि इसमें कोई आश्चर्य नहीं है क्योंकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी सब कुछ छोड़ कर प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करने दौड़ पड़े। मालवीय ने कहा यहां भयावह साजिश देखें। थ्रेड में एक्सेस नाउ के भारत में बनाए गए नेटवर्क की डिटेल भी है। भाजपा नेता ने एक्स पर लिखा कि यदि आप परियों की कहानियों में भरोसा करते हैं, तो क्या आप सोचेंगे कि यह सब कुछ संयोग है। असल में, बहुराष्ट्रीय कंपनी एप्पल ने विपक्ष के कुछ नेताओं को अलर्ट भेजा कि आपके आईफोन हैक किए जा सकते हैं। हमलावर आपके फोन के संवेदनशील डाटा, कैमरे और माइक्रोफोन आदि तक पहुंचने की कोशिश भी कर सकते हैं। एप्पल ने यह अलर्ट सिर्फ विपक्षी नेताओं को ही नहीं भेजा, बल्कि ऐसे लोगों तक भी भेजा है, जो सार्वजनिक जीवन में नहीं हैं। कुछ पत्रकारों और स्कॉलर्स तक भी यह अलर्ट पहुंचा है। यह अलर्ट 150 देशों में भी भेजा गया है, जहां एप्पल के आईफोन इस्तेमाल किए जाते हैं। साफ मायने हैं कि यह चेतावनी वैश्विक है, लिहाजा विपक्षी नेताओं की चीखा-चिल्ली महज सियासत है। विवाद बढ़ने के बाद एपल ने कहा कि स्टेट स्पॉन्सर्ड अटैकर्स को बढ़िया फंड मिलता है और वे बहुत सॉफिस्टिकेटेड तरीके से काम करते हैं। उनके अटैक भी समय के साथ बेहतर होते जाते हैं। ऐसे हमलों का पता लगा पाने के लिए हमें थ्रेट इंटेलिजेंस सिग्नल पर निर्भर रहना पड़ता है, जो कि कई बार परफेक्ट नहीं होते या अधूरे रहते हैं। ये संभव है कि एपल के कुछ थ्रेट नोटिफिकेशन फाल्स अलार्म हों या कुछ अटैक को डिटेक्ट न किया जा सके। हम ये जानकारी दे पाने में अक्षम हैं कि किन कारणों से हम थ्रेट नोटिफिकेशन जारी करते हैं, क्योंकि ऐसा करने से स्टेट स्पॉन्सर्ड अटैकर्स अलर्ट हो जाएंगे और फिर वे अटैक करने के अपने तरीके ऐसे बदल लेंगे कि भविष्य में पकड़ में नहीं आ पाएंगे। एप्पल ने अपने बयान में यह स्पष्टीकरण भी दिया है कि खुफिया संकेतों के आधार पर ऐसे अलर्ट आते हैं, जो अधूरे और गलत भी साबित हो सकते हैं। कंपनी ने सरकार द्वारा प्रायोजित हमलावरों की बात तो की है, लेकिन किसी 'विशेष सरकार' का खुलासा नहीं किया है। एप्पल ने हैकिंग के ऐसे खतरों से निपटने वाले सिस्टम से इंकार किया है। कंपनी यह भी नहीं बता सकती कि अलर्ट किन हालात में देना पड़ा, क्योंकि यह जानकारी देने से हैकर्स उससे बचने के रास्ते खोज सकते हैं।

यानी स्पष्ट है कि फोन हैकर्स चीन, पाकिस्तान या किसी अन्य देश के भी हो सकते हैं! एप्पल ने एक ही समय, एक ही साथ, विपक्षी नेताओं और 150 देशों को यह चेतावनी-संदेश भेजा है, लिहाजा संदेहास्पद और सवालिया लगता है। यदि हैकिंग हुई है या की जा रही है, तो वह अलग-अलग स्थान पर, अलग-अलग समय में की जानी चाहिए। फिर भी मान सकते हैं कि मोदी सरकार ने विपक्ष के कुछ नेताओं और प्रवक्ताओं के फोन हैक कराए हैं, लेकिन 150 देशों और अराजनीतिक चेहरों के फोन हैक कराने में सरकार के सरोकार क्या हो सकते हैं? उनसे हासिल क्या होगा? भारत में 2 करोड़ से अधिक लोग आईफोन का इस्तेमाल करते हैं और दुनिया भर में करीब 146 करोड़ उपयोगकर्ता हैं। क्या ये सभी मोदी सरकार के निशाने पर हैं अथवा सभी को अलर्ट भेजा गया था? एप्पल को इस संदर्भ में तमाम स्पष्टीकरण देने चाहिए। बहरहाल केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव की घोषणानुसार जांच शुरू कर दी गई है। एप्पल भी जांच के दायरे में होगी। एप्पल से कथित 'राज्य-प्रायोजित हमलों' पर वास्तविक और सटीक जानकारी मांगी गई है। इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम इसकी जांच कर तह तक जाने की कोशिश करेगी। मंत्री ने इसे भारत सरकार को बदनाम करने की साजिश और भटकाने वाली विपक्ष की राजनीति करार दिया है। 'फोन में सेंधमारी' कोई नया मुद्दा नहीं है। किसी की निजता और गोपनीयता पर हमला भी नहीं है। इजरायल से खरीदे गए जासूसी सॉफ्टवेयर की चर्चा एक बार फिर मुखर हो रही है। हालांकि सर्वोच्च अदालत की निगरानी में जो जांच कराई गई थी, उसमें कुछ भी ठोस सामने नहीं आया था। तब शीर्ष अदालत ने अपने-अपने फोन सरकार में जमा कराने का विकल्प भी दिया था, ताकि भीतरी जांच हो सके कि उसकी जासूसी कराई गई अथवा नहीं। तब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी अपना फोन जमा नहीं कराया था। आज फिर पुराने, अपरिपक्व बयान दोहराए जा रहे हैं। सवाल तो यह है कि फोन हैकिंग के संदर्भ में अडाणी की भूमिका क्या हो सकती है? राहुल गांधी ने किसे 'तोता' कहा है? क्या कांग्रेस सरकारों के कार्यकालों में अडाणी व्यापार नहीं करते थे? क्या उन्हें ठेके नहीं दिए गए? देश को ऐसे सवाल कांग्रेस नेता से पूछने चाहिए। दरअसल जिनके फोन में सेंधमारी के आरोप उछले हैं, उनमें अधिकतर चेहरे राजनीतिक तौर पर अप्रासंगिक हैं।

खरीदे दीये तो होगा किसी का घर रोशन

बनते तो सारे ही लोग मिट्टी के हैं पर कुछ फौलादी हो जाते हैं। अगर इस मिट्टी को हौसले से संभाला जाये तो फौलादी होते देर नहीं लगती। मिट्टी से मानस फौलादी बन जाये तो सराहना होती है और पत्थर का बन जाये तो जन-जन पूछता है कि तुम किस मिट्टी के बने हो। यह सिर्फ फिल्मों में ही होता है कि हीरो को अगर ठोकर लग जाये तो वह सीधे हीरोइन की बांहों में जाकर गिरता है। पर सच्चाई यह है कि अपने जैसे किसी सामान्य व्यक्ति को ठोकर लगे तो गिरते ही पूरे मुंह पर मिट्टी पुत जाती है और गोड्डे-मोड्डे बुरी तरह छिल जाते हैं। दिवाली पर पंखों तक की मिट्टी झाड़ी जाती है। कोशिश रहती है कि इतनी सफाई की जाये कि घर में कहीं मिट्टी रह न जाये। पता नहीं मिट्टी से बने हम मिट्टी को ही इतनी नफरत की निगाहों से क्यों देखते हैं। कितने ही रेफ्रिजरेटर ले लो, भर-भर पानी की बोतलें रख लो पर जो स्वाद मिट्टी की सुराही और घड़े के पानी में है, वह अन्यत्र नहीं। मैं अपना समय याद करूं तो घर की रसोई में रखे घड़े से लेकर शौचालय में रखा घड़ा याद आता है। गुसलखाने में कपड़े धोने का पानी स्टोर करने के लिये घड़े रखे जाते थे। घर में ज्यादातर दो बड़ी-बड़ी झाल हुआ करती जो पर्याप्त मात्रा में पानी संचित कर लेती। दूध, दही, लस्सी और पशुओं का चारा तक घड़ों में रखे जाते। अब ऐसी घड़ी आ गई है कि हम घड़ों से दूर होते जा रहे हैं।

मिट्टी के दीपक-सा है ये जीवन। तेल खत्म, खेल खत्म। फिर भी लोग जीवनशैली यूं अपनाते हैं मानो शाश्वत रूप से डेरा डालना है। मिट्टी के बर्तन तो हम सब खूब देखभाल कर बजाकर देखने के बाद ही खरीदते हैं पर खुद छोटी-छोटी बातों पर टूट जाते हैं। आजकल रोड किनारे अनेक ऐसे लोग मिल जायेंगे जो मिट्टी के दीये लिये बैठे हैं। लोग उनके पास से उन्हें नज़रअन्दाज़ करते हुए निकल जाते हैं। पर इसमें कोई शक नहीं कि मिट्टी के दीये जलायें तो किसी और का घर भी रोशन होने की पक्की गारंटी है। किसी मनचले की नसीहत है कि जो लोग आपको घास नहीं डालते उन पर मिट्टी डालो और चैन से रहो।

युवाओं के लिए रोजगार सृजन बने प्राथमिकता

बेरोजगारी से निपटने के गंभीर प्रयास करने की बजाय 'इवेंट मैनेजमेंट' में उलझी भाजपा-जजपा सरकार ने 15 जनवरी, 2022 को हरियाणा राज्य स्थानीय उम्मीदवारों का रोजगार अधिनियम, 2022 पेश किया था जिसके तहत निजी क्षेत्र की नौकरियों में स्थानीय निवासियों के लिए 75 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया। लेकिन इस कानून के तहत आज तक एक भी नौकरी नहीं मिली। इस अधिनियम की वैधता और संवैधानिकता को पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में चुनौती मिली इसलिए सरकार का यह प्रयास भी कारगर साबित नहीं हो पाया।

बेरोजगारी का संकट कितना व्यापक है और हरियाणा के अनगिनत युवाओं को किस हद तक प्रभावित कर रहा है, इसका अंदाजा एनएसएसओ के आंकड़ों से लगाया जा सकता है कि हरियाणा देश के सबसे ज्यादा बेरोजगारी दर वाले राज्यों में केरल के बाद दूसरे स्थान पर है।

भूपेन्द्र सिंह हुड्डा

रेत के टिब्बों, सीमित संसाधनों के बीच एक नवम्बर, 1966 को महापंजाब से जन्मे हरियाणा ने कई चुनौतियों के बावजूद खुद को खड़ा किया। मेहनतकश धरतीपुत्र किसानों की बदौलत जहां रेतीले टिब्बे हरे-भरे लहलहाते खेतों में तब्दील हुए वहीं देश की राजधानी से निकटता और उद्यमियों की कड़ी मेहनत की बदौलत इन 57 साल के सफर में हरियाणा प्रगति के पायदान चढ़ा। आज देश के 50 फीसदी यात्री वाहन और 500 से अधिक फोर्च्युन कंपनियों के मुख्यालय हरियाणा में हैं। पिछले कुछ बरस से विकास की रफ्तार के साथ सरकार रोजगार का तालमेल बैठाने में विफल रही। प्रदेश में रोजगार सृजन सरकार की प्राथमिकता में नहीं इसलिए बेरोजगारी के मामले में देश में अव्वल है। इससे हरियाणा के युवाओं की उम्मीदें धूमिल हुई हैं। दरअसल बेरोजगारी से लड़ने का हथियार केवल और केवल रोजगार पैदा करना है।

बेरोजगारी से निपटने के गंभीर प्रयास करने की बजाय 'इवेंट मैनेजमेंट' में उलझी भाजपा-जजपा सरकार ने 15 जनवरी, 2022 को हरियाणा राज्य स्थानीय उम्मीदवारों का रोजगार अधिनियम, 2022 पेश किया था जिसके तहत निजी क्षेत्र की नौकरियों में स्थानीय निवासियों के लिए 75 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया। लेकिन इस कानून के तहत आज तक एक भी नौकरी नहीं मिली। इस अधिनियम की वैधता और संवैधानिकता को पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में चुनौती मिली इसलिए सरकार का यह प्रयास भी कारगर साबित नहीं हो पाया।

बेरोजगारी का संकट कितना व्यापक है और हरियाणा के अनगिनत युवाओं को किस हद तक प्रभावित कर रहा है, इसका अंदाजा एनएसएसओ के आंकड़ों से लगाया जा सकता है कि हरियाणा देश के सबसे ज्यादा बेरोजगारी दर वाले राज्यों में केरल के बाद दूसरे स्थान पर है। जुलाई, 2022 से जून, 2023 तक 15 से 29 साल आयु वर्ग में बेरोजगारी दर 17.5 फीसदी रही। जबकि, 2013-14 में कांग्रेस शासनकाल में हरियाणा में बेरोजगारी दर महज 2.5 फीसदी थी।

मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली (एचआरएमएस) के मुताबिक हरियाणा के विभिन्न सरकारी विभागों में 2,02,576 स्थायी सरकारी पद खाली पड़े हैं। ये हालात बड़ी चिंता का कारण हैं क्योंकि इनके नकारात्मक नतीजे हो सकते हैं। लंबे समय तक बेरोजगारी का युवाओं के भविष्य पर निगेटिव असर पड़ता है। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य भी बिगड़ जाता है। यह राज्य के सामाजिक ताने-बाने के लिए ठीक नहीं है। युवाओं में बढ़ता नशा और अपराध इसका जीता-जागता उदाहरण है। रोजगार की तलाश में हरियाणा के युवाओं का विदेशों में पलायन और भी चिंता का विषय है जब अवैध तरीके से माइग्रेशन करने वाले युवा अपनी जान जोखिम में डालते हैं।

हर साल औसतन 1.70 लाख युवा राज्य के विभिन्न रोजगार कार्यालयों में अपना पंजीकरण कराते हैं और 2015 से 2022 तक 14 लाख से अधिक बेरोजगार युवाओं ने रोजगार कार्यालयों में अपना पंजीकरण कराया है। हरियाणा में रोजगार के हालात बदतर हैं, पिछले 9 वर्षों में यहां बेरोजगारी दर में 7 गुना की वृद्धि ने बिहार और झारखंड जैसे राज्यों को भी पीछे छोड़ दिया है।

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग द इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) के मुताबिक, हरियाणा में बेरोजगारी दर 37.4 फीसदी है। हालांकि, राज्य सरकार इसके आंकड़ों को स्वीकार नहीं करती और इसे निजी एजेंसी के आंकड़े कहकर खारिज कर देती है। नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस (एनएसएसओ) के आंकड़े भी सीएमआईई के आंकड़ों का समर्थन करते हैं। विडंबना यह है कि अपनी राजनीतिक सुविधा के मुताबिक सरकार आंकड़ों में हेराफेरी करती है। ऐसा करके वह शायद अपनी नाकामी और निष्क्रियता के अपराध बोध से बचने की आसान कोशिश कर रही है। यही कारण है कि सरकार द्वारा नीतियां बनाने के समय बेरोजगारी दर को महत्वपूर्ण इनपुट के रूप में शामिल नहीं किया जाता। यह जानकर निराशा और बढ़ जाती है कि जैसे एक मजबूर किसान को अपनी फसल औने-पौने भाव में बेचनी पड़ती है वैसे ही उच्च शिक्षित युवा चपरासी और सेवादारों जैसे ग्रुप-डी के पदों पर नौकरी के लिए मजबूर हैं। युवाओं के साथ यह एक भद्दा मजाक है। इस पर सरकार दावा करती है कि वह योग्यता के आधार पर भर्ती करती है, जो युवाओं का खुला अपमान है। राज्य की 50 फीसदी से अधिक आबादी की आजीविका का मुख्य आधार कृषि है। हालांकि, यह क्षेत्र भी तेजी से घटती आमदन के कारण बेरोजगारी से ग्रस्त है। दो लाख से ज्यादा खाली सरकारी पदों में, 60,000 से अधिक ग्रुप सी और डी के पद हैं। सरकार को नीति निर्माण में बेरोजगारी का प्राथमिकता के आधार पर हल करना चाहिए। स्कूलों, अस्पतालों में कर्मचारियों की कमी से जनता को आवश्यक सेवाएं नहीं मिल पा रहीं। सरकार की भर्ती एजेंसियां जैसे एचएसएससी और एचपीएससी भर्ती घोटालों में उलझी हुई हैं। इन एजेंसियों की नाक के नीचे दर्जनों पेपर लीक घोटाले हुए और कई गिरोह भर्ती परीक्षाओं को पास कराने के संगठित तंत्र के तौर पर काम कर रहे हैं।

विभिन्न स्तरों पर हजारों पदों की चयन प्रक्रिया रद्द की गई है। सत्ताईस लाख से अधिक आवेदकों को बरसों से अपनी नियुक्ति का इंतजार करना पड़ रहा है। भर्तियां या तो रोक दी गई या फिर कोर्ट द्वारा रद्द हो गई। हर साल नौकरी चाहने वालों की संख्या में औसतन 2.5 लाख की वृद्धि हो रही है और कछुए की चाल से होने वाली भर्तियों के चलते लगभग एक लाख युवा 'ओवर एज' जैसे कारणों से अयोग्य हो जाते हैं। हरियाणा कौशल रोजगार निगम के जरिये अनुबंध, तदर्थ, आउटसोर्सिंग आदि पर काम करने वाले हजारों युवाओं के भविष्य पर अनिश्चितता की तलवार हर समय लटकी रहती है।

सरकार बड़ी संख्या में खाली पड़े पदों को भरना ही नहीं चाहती जिसके कारण ही बेरोजगारी का ये कुचक्र चलता जा रहा है। इस दुश्चक्र को तोड़ने के लिए सरकार को ईमानदार, संवेदनशील और गंभीर नीतिगत प्रयास करने होंगे। कोरे लोकलुभावन जुमलों से युवाओं को रोजगार के अवसर नहीं दिए जा सकते। ऐसे लाखों बेरोजगार युवा हैं जिन्हें रोजगार और सम्मानजनक जिंदगी की जरूरत है। लेकिन दुर्भाग्य से, मौजूदा सरकार की प्राथमिकता में ये युवा हैं ही नहीं।

वास्तुशास्त्र

इस करियर में कभी कोई रिटायर नहीं होता

अक्सर लोगों से बातें करते सुना जा सकता है कि मकान तो वास्तु के हिसाब से ही बनना चाहिए या किसी की किचन सही जगह पर नहीं है तो किसी का बैडरूम। अब सहज प्रश्न यह है कि आखिर वास्तु है क्या और इसके अनुसार मकान, दुकान जैसी चीजें नहीं होने पर क्या हो सकता है या क्या होता है। क्या यह कोई विज्ञान है या विज्ञान की कोई शाखा है या अंधविश्वास का ही एक विस्तार है। और तो और क्या इसमें कोई करियर भी हो सकता है।

प्राचीन मान्यताओं की मानें तो हर दिशा विशेष गुण लिए होती है और उन गुणों के मुताबिक मकान वगैरह बनाने से लाभ होता है। उन्हीं बातों को दूसरे शब्दों में लोग दिशाओं का विज्ञान मानते हैं। लेकिन इसका दूसरा पहलू यह भी है कि कुछ लोग इसे मानते हैं और इसके अनुरूप निर्माण कार्य कराने का भरपूर यत्न करते हैं, वहीं दूसरी तरफ ऐसे लोग भी हैं जो इसे कोरा अंधविश्वास मानते हैं और कहते हैं कि दिशाओं, उनके गुणों या इससे होने वाले लाभ की बात बेमानी है। रही बात करियर की तो जो लोग इसमें यकीन करते हैं उन्हें परामर्श देकर ठीक-ठाक करियर बनाया जा सकता है।

नेचर ऑफ वर्क

वास्तुशास्त्री का कार्य परामर्श का कार्य है। भवन निर्माण करने के इच्छुक लोग यह जानना चाहते हैं कि उनके नक्शे में ड्राइंगरूम कहां हो, किचन कहां हो, बाथरूम कहां हो, ताकि उन पर या उनके परिवार पर किसी प्रकार का नकारात्मक असर न हो और उनकी सुख-समृद्धि बढ़ती रहे। वास्तुशास्त्री को यह बताकर भी कि जमीन की लंबाई-चौड़ाई और कौन-सी दिशा किधर है, समझा जा सकता है कि नक्शा कैसा बने, वहीं दूसरी तरफ वास्तुशास्त्री को उस जमीन तक लाकर भी उसे दिखाया जा सकता है और चिन्हित किया जा सकता है कि मकान में कहां क्या हो। इसमें काम के घंटों का कोई नियत समय नहीं है, किसी काम को आप एक घंटे में भी कर सकते हैं और पूरा दिन भी लग सकता है।

कोर्स

जहां तक वास्तुशास्त्र की पढ़ाई का सवाल है तो एक तरफ स्वाध्याय है तो दूसरी तरफ गुणीजनों से सीखा भी जा सकता है। सीखने-सिखाने का सिलसिला परंपरागत परिधियों से बाहर निकलकर आधुनिक कक्षाओं तक जा पहुंचा है। वास्तु के लिए जरूरी नहीं है कि आप डिग्री-डिप्लोमा करें, इसके लिए बस 15 दिन या फिर एक महीने का कोर्स भी काफी होता है। इसके तहत वास्तुशास्त्र का इतिहास, उनका अनुप्रयोग, पंचभूत और उनका मनुष्य से संबंध, दिशाएं, वास्तुपुरुष, वास्तुमंडल, महामंत्र इत्यादि के बारे में जानकारी दी जाती है जिनके आधार पर वास्तविक भू-खंड में स्थान निर्धारण वगैरह किया जाता है।

योग्यता

पहले वास्तु विद्या के लिए किसी औपचारिक शिक्षा की आवश्यकता या अनिवार्यता नहीं थी लेकिन अब कुछ कालेज व इंस्टीच्यूट में बाकायदा इसकी पढ़ाई होने लगी है इसलिए इसके लिए योग्यता भी तय कर दी गई। वास्तुशास्त्र में करियर बनाने के लिए अभ्यर्थी कम से कम 12वीं पास जरूर हों। अगर विज्ञान संकाय से पढ़ाई की है तो इसमें करियर बनाना बेहतर रहेगा। सामान्य ज्ञान, भौगोलिक प्रक्रियाओं की समझ हो, शास्त्रों का थोड़ा-बहुत ज्ञान हो, परंपराओं को समझने वाला नजरिया हो। वास्तुशास्त्र के मूलभूत सिद्धांतों, वास्तु पुरुष मंडल क्या होता है, कौन-सी दिशा या कौन-सा कोण किस-किस स्वामित्व में होता है और उसकी क्या विशेषताएं होती हैं। यह भी बताया जाता है कि कि यदि वास्तु के मुताबिक भवन निर्माण में कोई कठिनाई आ रही है तो उसका हल क्या है।

संभावनाएं

वास्तु विद्या का जानकार खुद की डिजाइन कंपनी खोल सकता है। बिल्डिंग निर्माण से संबंधित कंसल्टैंसी या फर्म स्थापित कर सकता है। अगर एक वास्तुशास्त्री वैज्ञानिक नजरिया डिवैल्प करता है तो उसकी मांग बढ़ जाती है। जैसे-जैसे समय बीतेगा विश्वसनीयता बढ़ती जाएगी। इसमें कभी कोई रिटायर नहीं होता है।

आमदनी

शुरूआती सैलरी 25 से 30 हजार। किसी भी इंटीरियर डैकोरेटर, बिल्डर, कंस्ट्रक्शन कंपनी इन सभी जगहों पर एक अच्छे वास्तुकार की खासी डिमांड रहती है। खास बात यह कि इसमें सैल्फ इम्प्लायमैंट बहुत ही बेहतर है।

पक्ष/विपक्ष

1.एक वास्तु विद्या का जानकार खुद की डिजाइन कंपनी खोल सकता है।
2.वास्तु विद्या में पारंगत होने के बाद आगे ज्योतिष विद्या सीख सकता है।
3.बिल्डिंग निर्माण से संबंधित कंसल्टैंसी या फर्म का निर्माण किया जा सकता है।
4.जितना मेहनत करेंगे धार उतनी तेज होगी।
5.जैसे-जैसे समय बीतेगा, विश्वसनीयता बढ़ती जाएगी।
6.इसमें कभी कोई रिटायर नहीं होता।

प्रमुख संस्थान

इंडियन काऊंसिल ऑफ एस्ट्रालॉजिकल साइंस, जयपुर, राजस्थान
इंस्टीच्यूट ऑफ वेदिक वास्तु विजन, नई दिल्ली
स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटैक्चर, नई दिल्ली
महावास्तु, नोएडा, उत्तर प्रदेश
श्री सांई एस्ट्रो वास्तु रिसर्च इंस्टीच्यूट, रामनगर, उत्तराखंड
वास्तु वर्ल्ड, पुणे, महाराष्ट्र

आत्मनिर्भर बन

कम करें पेरेंट्स का बोझ

अगर आप समझदारी दिखाएं और कोई पार्टटाइम जॉब कर कुछ हद तक आत्मनिर्भर बनने का प्रयास करें, तो एजुकेशन पर होने वाले भारी खर्च से पेरेंट्स को काफी राहत दिला सकते हैं। अब भारत में भी इसके लिए कई तरह के अवसर मौजूद हैं।

महंगाई के इस जमाने में पेरेंट्स के लिए अपने बच्चों की स्टडी का खर्च अफोर्ड करना काफी मुश्किल हो गया है। एजुकेशन काफी प्रोफेशनल स्वरूप अख्तियार कर चुका है और खासकर निजी क्षेत्र के कॉलेजों, यूनिवर्सिटी में उच्च शिक्षा बेहद महंगी होती है। भारतीय मां-बाप के पास अपने बच्चों की परवरिश से लेकर एजुकेशन, शादी आदि की तमाम जिम्मेदारियां होती हैं और वे किसी भी तरह से इसे पूरा करते ही हैं। लेकिन आजकल के भारी खर्च को देखते हुए अगर बच्चे भी कुछ समझदारी दिखाएं और कुछ हद तक आत्मनिर्भर बनने का प्रयास करें, तो पेरेंट्स को काफी राहत मिल सकती है।

पार्टटाइम जॉब या ट्यूशन

पढ़ाई के साथ अपना खर्च निकालने का सबसे परंपरागत और लोकप्रिय सदाबहार काम है-ट्यूशन पढ़ाना। ट्यूशन पढ़ाना स्टूडेंट के लिए सबसे बेहतर पार्टटाइम जॉब होता है। इसकी वजह यह है कि इसमें किसी तरह की पूंजी नहीं लगती है, समय कम लगता है और स्टूडेंट के अपने सब्जेक्ट का भी रिवीजन होता रहता है। आप अपने से जूनियर क्लास के स्टूडेंट्स को होम ट्यूशन दे सकते हैं। इसके अलावा, किसी कोचिंग क्लास में जाकर पढ़ाना भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है। कोचिंग क्लास में पढ़ाने पर आपको ज्यादा पैसा मिल सकता है। भारत में अब पार्टटाइम जॉब के भी कई विकल्प मौजूद हैं, जिसे आप अपना सकते हैं। यह किसी ऑफिस में काम से लेकर किसी कॉफी रिटेल शॉप या रेस्टोरेंट में सेल्समैन तक का हो सकता है।

एजुकेशन लोन एक विकल्प

हायर एजुकेशन अब काफी महंगा हो गया है और आपको कोई अच्छा प्रोफेशनल कोर्स करने में 5 से 10 लाख रुपये तक की जरूरत होती है। इतना पैसा जुटाने में आपके पेरेंट्स को काफी मुश्किल आती है। इसका एक अच्छा विकल्प यह है कि आप अपनी स्टडी के लिए एजुकेशन लोन ले लें। पढ़ाई पूरी करने के बाद नौकरी मिलने पर आप अपना एजुकेशन लोन चुका सकते हैं। एजुकेशन लोन की री-पेमेंट आपको हर महीने ईएमआई के रूप में चुकानी होती है, इसलिए ज्यादा बोझ नहीं पड़ता।

घरेलू खर्चों में योगदान दें

आपने इनकम के लिए कोई पार्टटाइम काम हासिल कर लिया, यह अच्छी बात है। यदि आप अपने पेरेंट्स के साथ रहते हैं, तो अब आपको भी घरेलू खर्चों में कुछ योगदान करना चाहिए। आपकी थोड़ी-सी भागीदारी आपके पेरेंट्स के लिए लिए बड़ी राहत बन सकती है। यदि पेरेंट्स रिटायर हो चुके हैं या होने वाले हैं तो आपका यह कदम उनके कंधे का सहारा साबित हो सकता है।

समझदारी का रास्ता

1. आत्मनिर्भर बनने के लिए आपके पास सबसे अच्छा विकल्प ट्यूशन पढ़ाने का होता है।?ट्यूशन पढ़ाना स्टूडेंट के लिए सबसे बेहतर पार्टटाइम जॉब होता है। इसके अलावा, किसी कोचिंग क्लास में जाकर पढ़ाना भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है।?
2. पार्टटाइम जॉब के भी कई विकल्प मौजूद हैं, जिसे आप अपना सकते हैं। यह किसी ऑफिस में काम से लेकर किसी कॉफी रिटेल शॉप में सेल्समैन तक का हो सकता है। मॉल कल्चर के विस्तार से अब तमाम फूड चेन और कॉफी चेन में पार्टटाइम जॉब की अच्छी संभावना बन गई है।
3. प्रोफेशनल कोर्स पर होने वाले लाखों रुपये के खर्च के लिए आप एजुकेशन लोन ले सकते हैं। आप पढ़ाई पूरी करने के बाद नौकरी मिलने पर अपना एजुकेशन लोन चुका सकते हैं। यह आपको हर महीने ईएमआई के रूप में चुकानी होती है, इसलिए ज्यादा बोझ नहीं पड़ता।?
4. अपनी स्टडी के लिए आप भी कुछ पैसों की बचत कर सकते हैं, ताकि अभिभावकों का बोझ हल्का हो। हायर एजुकेशन से कुछ साल पहले अच्छी योजना के साथ आप अपनी पॉकेट मनी या अपने पार्टटाइम जॉब से मिलने वाले पैसे को बचाना शुरू करें।
5. आप यदि अपने पेरेंट्स के साथ रहते हैं तो अब आपको भी घरेलू खर्चों में कुछ योगदान करना चाहिए। आपकी थोड़ी-सी भागीदारी आपके पेरेंट्स के लिए बड़ी राहत बन सकती है।

जानें कैसे लोग बार-बार नौकरियां बदलते रहते हैं

मानसिक तनाव का सामना जो नहीं कर सकते ऐसे लोगों में प्रमुख रूप से 3 गुण होते हैं- अति कार्यक्षमता अति महत्वाकांक्षा और सदा मन की सम्भ्रमित स्थिति। यही दिखाने की कोशिश करते हैं कि वे हर चीज दूसरों से पहले कर सकते हैं।

सिग्रल पीला हो तो उसके लाल होने से पहले ही ये लोग उसे पार करते हैं। लिफ्ट के लिए थोड़ी राह देखना भी उनके बस की बात नहीं होती। सबसे बड़ी बात यह है कि ऐसे लोगों को जिम्मेदारी बांट लेना अच्छा नहीं लगता इसलिए कम्पनी में काम के लिए ये लोग आगे आकर जिम्मेदारी लेते तो हैं लेकिन उन्हें टीमवर्क की आदत नहीं होती। ऐसे लोग असफल होने की बजाय मर जाना अच्छा समझते हैं। एक नौकरी पर टिके रहना उनके स्वभाव में नहीं होता। वे नौकरियां बदलते रहते हैं। वे हमेशा यही कहते हैं कि काम का तनाव ज्यादा है लेकिन सच्चाई यह होती है कि बॉस या अपने सहयोगियों के संबंध में इनके मन में नाराजगी छिपी रहती है। मन में इन्हें हमेशा यह महसूस होता है कि हम गलती कर रहे हैं हम अपने आप से भी दिल खोलकर बातें नहीं कर सकते लेकिन वे यह कल्पना भी नहीं कर सकते कि अपने मन को समझाने के लिए समय देना जरूरी है या किसी दूसरे की सहायता लेना जरूरी है।

जीवन की ऊंचाइयों तक पंहुचने का मार्ग.....

जय-पराजय, लाभ-हानि और सुख-दुख को एक जैसा समझ कर, उसके बाद युद्ध के लिए तैयार हो जाना चाहिए। इस प्रकार युद्ध करने से हम पाप को नहीं प्राप्त होंगे।

जीवन एक युद्ध की तरह है, जिसको हमें लड़कर ऐसे जीतना होगा कि जैसे कुछ हुआ ही नहीं है। जीवन में सुख-दुख, नफा-नुक्सान यह सब चलता रहेगा। इनसे हमें बचकर रहना है। अगर हम इनमें ही उलझ कर रह गए तो जीवन की ऊंचाइयों तक नहीं पहुंच सकते।

हार के साथ जीत, नुक्सान के साथ फायदा और सुख के साथ दुख ऐसे जुड़े हैं, जैसे सिक्के के दो पहलू। अगर इंसान को सुख की चाह है तो यह मान कर चलना चाहिए कि कल दुख भी आएगा। यदि हम आज जीत रहे हैं तो कल हार भी होगी।

हम चाहते हैं कि सब कुछ हमारी इच्छा के मुताबिक ही हो, जो मुमकिन नहीं है। जब इंसान यह समझ लेता है कि फायदा और हानि दोनों स्थितियों में एक जैसा रहना है और यह सब तो जीवन भर होता रहेगा। तब इन सब बातों का असर पडऩा भी उस पर बंद हो जाएगा।

एक लाख रुपये के लालच में गुर्जर गिरोह ने की थी ट्रैक्टर चालक की हत्या, तीन आरोपी गिरफ्तार

मंदसौर। मंदसौर जिले के नाहरगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम धाकड़ पिपलिया और एरा के बीच में ट्रैक्टर चालक की हत्या कर ट्रैक्टर लूटने की वारदात का एसपी ने प्रेसवार्ता में खुलासा किया है। एसपी अनुराग सुजानिया ने बताया कि वारदात को गुर्जर गिरोह के सदस्यों ने कंजरों से एक लाख में ट्रैक्टर लूट का कॉन्ट्रैक्ट लेकर अंजाम दिया था। पुलिस ने गुर्जर गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है। इनके कब्जे से एक देशी पिस्टल मय जिंदा कारतूस और घटना में उपयोग की गई दो बाइक और लूटा गया ट्रैक्टर भी बरामद कर लिया है। जबकि घटना में शामिल विक्रम गुर्जर सहित तीन कंजरों की तलाश है। एसपी सुजानिया ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सीसीटीवी कैमरे के आधार पर लूटा गया ट्रैक्टर बसई तरफ ले जाने की जानकारी मिली। इसके बाद राजस्थान में कंजरों के डेरों में दबिश दी गई। तभी ये सूचना मिली कि गुर्जर गिरोह के ईश्वर गुर्जर, अर्जुन गुर्जर व उनके साथी कंजर गिरोह के संपर्क में हैं। मामलें में जब ईश्वर गुर्जर को पकड़ा तो पता चला कि वो बीते एक साल से साथी विक्रम गुर्जर के माध्यम से मुंडला कंजर डेरे के राकेश कंजर व अरनिया डेरे के सुनिल कंजर के संपर्क में था। कंजरों ने उन्हें ट्रैक्टर लूटकर देने पर एक लाख रुपए की राशि देने की कहा था। लूट की घटना को अंजाम देने के लिए बकायदा देशी पिस्टल भी उपलब्ध करवाई गई थी। आरोपी ईश्वर गुर्जर ने पुलिस पूछताछ में कबूला कि उसने साथी अर्जुन गुर्जर के साथ मिलकर ट्रैक्टर चालक से ट्रैक्टर छुड़ाया। चालक ने विरोध किया तो उस पर देशी पिस्टल से तीन फायर भी किए। इसके बाद अपने तीसरे साथी तूफान सिंह गुर्जर के साथ ट्रैक्टर ले भागे। यहां से अपने साथी विक्रम गुर्जर के माध्यम से हरिपुरा गांव के पास मुंडला कंजर डेरे के राकेश कंजर व अरनिया डेरे के सुनिल व विक्रम कंजर को ट्रैक्टर दे दिया। मंदसौर पुलिस की राजस्थान के कंजर डेरों में दबिश से घबराकर कंजरों ने ट्रैक्टर क्रमांक एमपी 14 एई 1985 को उन्हेल थाना क्षेत्र में छोड़ दिया था। जिसे वहां की पुलिस ने लावारिस हालत में जब्त किया।

तीन गोली मारी थी चालक को

एसडीओपी कीर्ति बघेल ने बताया कि आरोपियों ने ट्रैक्टर चालक की तीन गोली मारकर हत्या की थी। घटना में एक गोली मृतक भंवरदास के शरीर में मिली है। पुलिस गिरफ्त में आए आरोपियों को बुधवार को कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड लिया गया है।

ये हुए गिरफ्तार

नाहरगढ़ पुलिस ने हत्या और लूट की वारदात को अंजाम देने वाले ईश्वर पिता भगवान सिंह गुर्जर उम्र 19 वर्ष, अर्जुन पिता दशरथ गुर्जर उम्र 18 वर्ष दोनों निवासी ग्राम निपानिया थाना सीतामऊ तथा तूफान सिंह पिता कचरु सिंह गुर्जर उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम भगौरी थाना शामगढ को गिरफ्तार किया है।

इन नामजद आरोपी की तलाश

वारदात में शामिल आरोपी विक्रम पिता भुवानसिंह गुर्जर निवासी बांगली थाना शामगढ, राकेश कंजर, विक्रम कंजर दोनों निवासी मुण्डला राजस्थान कंजर डेरा तथा सुनिल कंजर निवासी अरनिया राजस्थान कंजर डेरा की तलाश है।

भाजपा को एक और झटका, अब किसान मोर्चा उपाध्यक्ष कमलेश कुशवाहा ने छोड़ी पार्टी

छतरपुर । छतरपुर जिले में भाजपा की मुसीबतें कम नहीं हो रही हैं। महाराजपुर विधानसभा के नौगांव में जनपद सदस्य पति कमलेश कुशवाहा ने सैकड़ों महिलाओं के साथ टीबी अस्पताल चौराहे पर बैठकर धरना दिया और भाजपा से इस्तीफा दे दिया है।

भाजपा में कार्यकर्ताओं-पदाधिकारियों की नाराजगी खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। अब जनपद सदस्य पति कमलेश कुशवाहा ने सैकड़ों महिलाओं के साथ टीबी अस्पताल चौराहे पर बैठकर धरना दिया और भाजपा से इस्तीफा दे दिया है।

छतरपुर जिले की महाराजपुर विधानसभा के नौगांव में गुरुवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की जनसभा हुई। सभा से कुछ ही दूरी पर टीबी अस्पताल और चौराहे पर सैकड़ों महिलाओं को एकत्रित करते हुए भाजपा के पदाधिकारी और मंडल प्रभारी किसान मोर्चा उपाध्यक्ष कमलेश कुशवाहा ने भाजपा से अपना इस्तीफा दे दिया है।

इस्तीफा देने के साथ ही भाजपा के जिला अध्यक्ष मलखान सिंह और प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा सहित पार्टी प्रत्याशी कामख्या प्रताप सिंह और उनके पिता पूर्व विधायक मंत्री मानवेन्द्र सिंह पर प्रताड़ना के आरोप लगाए हैं। कमलेश कुशवाह ने भाजपा अध्यक्ष मलखान सिंह पर प्रताड़ना के आरोप लगाए हैं। कमलेश कुशवाहा ने कहा मैं किसान मोर्चा मे जिला उपाध्यक्ष के पद पर गत तीन वर्ष से हूं और इस पद पर रहकर पार्टी का प्रचार-प्रसार पूरे तन, मन, धन से किया है।

बता दें कि भाजपा किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष कमलेश कुशवाहा मऊसहनिया जनपद सदस्य पति हैं। वहीं अब देखना यह होगा कि भाजपा से असंतुष्ट होकर इस्तीफा देने वाले कुशवाहा अब किस पार्टी में जाते और अपनी सेवाएं देते हैं।

मंदिर की सीढ़ियों पर मिला अज्ञात नवजात शिशु

पुलिस ने सुरक्षित पहुंचाया जिला अस्पताल

छतरपुर। मामला छतरपुर जिले के लवकुश नगर विभाग के जुझारनगर थाना क्षेत्र का है, जहां थाना प्रभारी जुझारनगर प्रभारी बृजेंद्र कुमार चाचौदिया को अज्ञात नवजात के मंदिर की सीढ़ियों पर पड़े होने की जानकारी लगी। जोकि ग्राम ज्योराहा के भोगरा बाबा मंदिर की सीढ़ियों पर पड़ी है। जिसपर वह और उनकी पुलिस टीम शीघ्र ही भोगरा बाबा मंदिर ग्राम ज्योराहा पहुंचे तो देखा कि मंदिर की सीढ़िया में एक नवजात बालिका लेटी हुई थी, जिसको अज्ञात लोग मंदिर पर छोड़कर चले गए थे।

बच्चा स्वस्थ और सुरक्षित

नवजात शिशु की जानकारी तत्काल छतरपुर स्क अमित सांघी और स्क विक्रम सिंह को दी गई, जिनके आदेश पर शिशु को पुलिस टीम द्वारा सुरक्षित जिला अस्पताल पहुंचाया गया है। जिसे डॉक्टरों ने चेकअप के बाद अपने आब्जर्वेशन में रखा हुआ है, जहां बच्चा स्वस्थ और सुरक्षित है। वहीं अब यह बच्चा कौन और किसका है और कौन इसे छोड़कर गया है, इस बात की अब तक कोई जानकारी नहीं है। हालांकि पुलिस मामले में गहनता से जांच में जुटी हुई है।

मप्र में बागियों से तंग कांग्रेस-भाजपा

इंदौर। मप्र विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारों के नामांकन वापस लेने की समय सीमा समाप्त हो गई है। आज दोपहर तीन बजे तक नामांकन वापस लेना था जिसके बाद में स्थिति बहुत हद तक साफ हो चुकी है। नामांकन वापस लेने के बाद यह साफ हो चुका है कि किस सीट पर कौन चुनाव लड़ने वाला है। इससे निर्दलीय और बागी के रूप में लड़ रहे उम्मीदवारों की स्थिति भी साफ हो गई है। बड़े नामों में कांग्रेस से प्रेमचंद गुड्डू, राजेंद्र सिंह सोलंकी, श्यामलाल जोकचंद, राजकुमार अहीर हैं जिन्हें मनाने में पार्टी सफल नहीं हुई है। भाजपा रमेश मालवीय को मनाने में सफल हो गई है। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से बातचीत के बाद उन्होंने अपना नाम वापस लिया है। वहीं भाजपा पूर्व विधायक शांतिलाल धबाई, बसंतीलाल मालवीय, पूरनमल अहीर अभी भी पार्टी उम्मीदवार के विरोध में।

कुएं में मिला बाघ का शव, दो महीने से आसपास घूम रहा था

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा जिले के एक गांव के कुएं में बाघ का शव मिला है। शव दो दिन पुराना बताया जा रहा है। आशंका है कि शिकार करने के लिए बाघ गांव में आया होगा, और कुएं में जा गिरा।

प्रदेश के छिंदवाड़ा इलाके में एक बाघ का शव कुएं में मिलने से सनसनी फैल गई। वन विभाग ने बड़ी मशक्कत के बाद शव बाहर निकाला। ये वही बाघ बताया जा रहा है, जो बीते दो महीने से इलाके में मूवमेंट कर रहा था। वन विभाग कई बार कोशिश के बाद भी इसकी लोकेशन ट्रेस नहीं कर पा रहा था।

जानकारी के अनुसार मामला छिंदवाड़ा जिले में फैले जंगल के बफर जोन से लगे ग्राम सिंगोड़ी का है। गांव की बाड़ी में रहने वाले किसान शिशुपाल रघुवंशी के खेत में स्थित कुएं में बाघ का शव मिला है। गुरुवार सुबह किसान ने कुएं में शव देखा तो वन विभाग को सूचना दी। इधर गांव में खबर फैलते ही काफी भीड़ लग गई। वन विभाग का टीम मौके पर पहुंची, जिन्होंने कड़ी मशक्कत के बाद बाघ के शव को कुएं से बाहर निकाला तथा उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बता दें कि पिछले लंबे समय से इस क्षेत्र में बाघ की मूवमेंट बनी हुई थी। चार दिन पहले ही बाघ ने एक बछड़े को अपना शिकार बनाया था। गांववालों ने बाघ के मूवमेंट की सूचना वन विभाग को दी थी। वन विभाग तमाम प्रयास के बाद भी बाघ की लोकेशन ट्रेस नहीं कर पाया। फिलहाल बाघ कुएं में कैसे गिरा इसकी जांच जारी है।

दो दिन पुराना लग रहा शव

वन विभाग की मानें तो टाइगर के शव को देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि दो दिन पहले वह कुएं में गिरा होगा। आशंका जताई जा रही है कि यह बाघ का शावक दो दिन पहले इस क्षेत्र में आया था तथा किसी शिकार के चक्कर में भागते भागते कुएं में जा गिरा।

रतलाम में रमेश को मुख्यमंत्री ने मनाया

रतलाम। रतलाम के आलोट में भाजपा के बागी निर्दलीय उम्मीदवार रमेश मालवीय ने अपना नामांकन फॉर्म वापस ले लिया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से चर्चा करवाए जाने के बाद रमेश मालवीय ने अपने प्रस्तावकों के साथ एसडीएम कार्यालय पहुंचकर नामांकन फॉर्म वापस ले लिया। रमेश मालवीय द्वारा निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान करने के बाद आलोट में भाजपा के उम्मीदवार चिंतामणि मालवीय के लिए मुश्किलें खड़ी हो गई थी। वहीं, कांग्रेस से भी बगावत कर आलोट से निर्दलीय नामांकन दाखिल करने वाले प्रेमचंद गुड्डू अब भी चुनाव लड़ने पर अड़े हुए हैं। इस स्थिति में आलोट में त्रिकोणीय मुकाबला होने की संभावना है। वहीं, कांग्रेस की कलह का भाजपा उम्मीदवार को लाभ भी मिल सकता है। कांग्रेस ने यहां पर मनोज चावला को टिकट दिया है।

80 फीट की पानी की टंकी पर चढ़ा युवक, पकड़े जाने पर बोला- 'मैं तो बीड़ी ढूंढने ऊपर आया था'

उज्जैन। उज्जैन के केंद्रीय भैरवगढ़ जेल के बाहर करीब 80 फीट ऊंची पानी की टंकी पर एक युवक चढ़ गया। संयोग से आरक्षक रविंद्र सिकरवार ने उसे देख लिया और पूछा तो कहा कि मैं बीड़ी ढूंढने आया हूं। बाद में उसे नीचे उतारकर पुलिस के हवाले किया गया। तब सभी ने राहत की सांस ली।

बता दें कि सुबह-सुबह जेल के बाहर पानी की टंकी पर निगम कर्मचारी के ड्रेस पहने एक युवक चढ़ गया। संयोग से भैरवगढ़ पुलिस थाने के आरक्षक रविन्द्र सिकरवार कालभैरव मंदिर तक सैर के लिए निकले तो उन्होंने उसे देख लिया और तुरंत थाने में सूचना दी। इससे हड़कंप मच गया। थाने से कहा गया कि उसको किसी तरह रोककर रखे, तब तक गाड़ी लेकर उधर आ रहे।

सिकरवार ने सूझबूझ से काम लेकर उसे उतारा और पुलिस के हवाले किया। पूछताछ में उसने बताया वह सागर का रहने वाला है। उसने अपना नाम कभी मेहरबान तो कभी कुछ

और बताया। इस पर आरक्षक और पुलिसकर्मियों को यकीन हो गया कि वह मानसिक रूप से असंतुलित है। सागर में उसके पिता से संपर्क किया तो उन्होंने भी इस बात की पुष्टि की।

आरक्षक ने लिया सूझबूझ से काम

आरक्षक सिकरवार ने बहुत सावधानी और सूझबूझ से काम किया। ऊपर चढ़कर पूछा कि यहां क्यों आए हो, तो जवाब दिया कूदने आया हूं। तुम भी ऊपर आ जाओ, दोनों कूद जाएंगे। यह सुन सिकरवार के पहले होश उड़ गए, लेकिन फिर पूछा क्यों कूदना है तो कहा मेरी बीड़ी गिर गई है। सिकरवार ने कहा अपन दोनों मिलकर ढूंढ लेते हैं। तुम तो बड़े अच्छे व्यक्ति हो। युवक ने कहा बीड़ी नहीं मिली तो तुम पिलाओगे। आरक्षक ने कहा क्यों नहीं, अगर नहीं मिली तो दूसरी खरीदकर पिला दूंगा। इस पर युवक बातों में आ गया और नीचे उतर आया।

उज्जैन में राजेंद्र को नहीं मना पाई कांग्रेस

उज्जैन। उज्जैन की बड़नगर विधानसभा सीट पर सबसे अधिक बागी हैं। यहां पर भाजपा से पांच और कांग्रेस से छह बागी नेताओं ने नामांकन भरा है। भाजपा से पूर्व विधायक शांतिलाल धबाई, शहीद समरसता मिशन से जुड़े व पूर्व सरपंच प्रकाश गौड़, पार्षद श्याम विशनवाणी, खरसौदकला मंडल अध्यक्ष कुलदीप राठौर, वरिष्ठ नेता कृष्णचंद यादव ने नामांकन दाखिल किया है। वहीं कांग्रेस ने वर्तमान विधायक मुरली मोरवाल का टिकट काटकर पहले राजेंद्र सिंह सोलंकी को मैदान में उतारा था। विरोध के बाद इनकी जगह पर मोरवाल को फिर से मौका दे दिया। इस पर सोलंकी ने नाराजगी जताई और निर्दलीय पर्चा भर दिया। उज्जैन की बड़नगर विधानसभा सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी राजेंद्र सिंह सोलंकी ने दोनों ही पार्टी के प्रत्याशियों को गहरी चिंता में डाल दिया है। जब वे निर्दलीय पर्चा भरने गए थे तब भी उनके साथ रैली में हजारों समर्थक पहुंचे थे। वहीं जावरा में कांग्रेस को डीपी धाकड़ को मनाने में सफलता मिल गई है। उन्होंने नामांकन वापस ले लिया है।

नीमच में कांग्रेस और भाजपा का सीधा मुकाबला

नीमच । नीमच विधानसभा में कांग्रेस और भाजपा के बीच ही सीधा मुकाबला है। यहां दोनों ही दल से कोई बागी मैदान में नहीं है। भाजपा के वर्तमान विधायक दिलीप सिंह परिहार पर पार्टी ने चौथी बार भरोसा जताकर प्रत्याशी बनाया है। वहीं कांग्रेस ने भी उमराव सिंह गुर्जर को अपना प्रत्याशी बनाया है।

मनासा - यहां भाजपा ने वर्तमान विधायक अनिरुद्ध मारू को अपना उम्मीदवार बनाया है। मारू को टिकट दिए जाने से भाजपा का एक धड़ा काफी नाराज है। भाजपा के पूर्व कैबिनेट मंत्री कैलाश चावला, पूर्व विधायक विजेंद्र सिंह मालाहेड़ा और जिला महामंत्री राजेश लढा ने बागी के रूप में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है। वहीं पूर्व कैबिनेट मंत्री नरेंद्र नाहटा को कांग्रेस ने अपना उम्मीदवार बनाया है।

जावद - यहां भाजपा ने कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश सकलेचा को और कांग्रेस ने समंदर पटेल को उम्मीदवार बनाया है। मगर कांग्रेस से एक बार फिर राजकुमार अहीर बागी के रूप में आज नामांकन पत्र दाखिल कर चुके हैं। वहीं भाजपा से पूरनमल अहीर सकलेचा का विरोध कर रहे हैं। वे काफी लोकप्रिय भी हैं।

इन सीटों पर नहीं दिखेगा बागियों का असर

उज्जैन संभाग की देवास, आगर-मालवा और शाजापुर सीटों पर बागियों का ज्यादा असर नहीं दिखेगा।

मंदसौर में त्रिकोणीय मुकाबला तय

मल्हारगढ़। सीट पर कांग्रेस के लिए बागी मुश्किलें बढ़ा सकते हैं। यहां पर कांग्रेस ने परशुराम सिसोदिया को टिकट दिया है जो पिछली बार 12 हजार वोट से हारे थे। श्यामलाल जोकचंद की अनदेखी कांग्रेस पर भारी पड़ सकती है। उन्होंने जब निर्दलीय पर्चा भरा था तभी वे अपने साथ 15 हजार से अधिक लोग लेकर पहुंचे थे। भाजपा ने यहां से जगदीश देवड़ा को टिकट दिया है। जिला पंचायत सदस्य बसंतीलाल मालवीय ने भी पर्चा भरा है वे भाजपा खेमे के माने जाते हैं।

658 रुपये की साइकिल, 12 कार, 129 अन्य वाहन, ऐसा है कैलाश के खिलाफ खड़े 12वीं पास संजय का साम्राज्य

इंदौर। भाजपा राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने अपने शपथ पत्र में कुल 8.62 करोड़ रुपये की संपत्ति बताई है। कांग्रेस प्रत्याशी संजय शुक्ला ने अपने हलफनामे में कुल 217 करोड़ रुपये की संपत्ति बताई है। 2018 के चुनाव में शुक्ला ने कुल 139 करोड़ की संपत्ति बताई थी। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन भरने की प्रक्रिया पूरी हो गई है। इसके लिए कई बड़े चेहरों ने भी अपनी-अपनी सीटों से नामांकन दाखिल कर दिया। कई ऐसी भी सीटें हैं जहां उतरे प्रत्याशियों की चर्चा हो रही है। उन चर्चित सीटों में इंदौर-1 विधानसभा सीट है। यह सीट प्रदेश की सबसे हॉट सीट में गिनी जा रही है। यहां से भाजपा की तरफ से पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय मैदान में हैं। वहीं, कांग्रेस की तरफ से मौजूदा विधायक संजय शुक्ला ने पर्चा भरा है। शुक्ला प्रदेश के सबसे अमीर विधायकों में शामिल हैं।

चुनावी हलफनामे के अनुसार, भाजपा नेता विजयवर्गीय 14.61 करोड़ रुपये की संपत्ति के मालिक हैं। भाजपा नेता के नाम पर कोई भी वाहन नहीं है। वहीं 217 करोड़ रुपये की संपत्ति के मालिक कांग्रेस विधायक संजय शुक्ला 142 वाहन हैं। दोनों नेताओं के शपथ पत्र से कई खास जानकारियां सामने आई हैं। आइये इन सभी के बारे में जानते हैं...

पांच साल में बढ़ी या घटी संपत्ति?

भाजपा राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने अपने शपथ पत्र में कुल 14.61 करोड़ रुपये की संपत्ति बताई है। 2018 के चुनाव में कैलाश के बेटे आकाश चुनाव लड़े थे। 2013 में कैलाश विजयवर्गीय ने इस सीट से चुनाव लड़ा था। 2013 के चुनाव में उनकी संपत्ति 2.55 करोड़ रुपये थी। इस तरह से बीते 10 साल में उनकी संपत्ति में पांच गुने से भी ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। वहीं, कांग्रेस प्रत्याशी संजय शुक्ला की बात करें तो उन्होंने अपने हलफनामे में कुल 217.41 करोड़ रुपये की संपत्ति बताई है। 2018 के चुनाव में संजय ने कुल 139 करोड़ रुपये की कुल संपत्ति बताई थी। बीते पांच साल में उनकी संपत्ति में 78 करोड़ से भी ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है।

केंद्रीय मंत्री तोमर ने पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में सभाओं को किया संबोधित

2023 का चुनाव सेमीफाइनल है, 2024 का चुनाव फाइनल: नरेंद्र सिंह तोमर

शाजापुर। मध्यप्रदेश देश में अकेला राज्य है, जहां किसानों को प्रति वर्ष 12 हजार दिए जा रहे हैं। 6 हजार रूपए केंद्र की भाजपा सरकार और 6 हजार रूपए मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार दे रही हैं। कांग्रेस पार्टी की सरकार ने मध्यप्रदेश में गरीब कल्याण की योजनाएं एक बार बंद कर चुकी है, अगर प्रदेश में फिर कांग्रेस की सरकार बनी तो कल्याणकारी योजनाएं बंद हो जाएंगी। कांग्रेस जनता को भ्रमित कर सरकारी खजाना लूटने का कार्य करती है। 2023 का विधानसभा चुनाव सेमीफाइनल है, 2024 का चुनाव फाइनल है। यह बात केंद्रीय मंत्री व प्रदेश चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने गुरूवार को शाजापुर जिले के कालापीपल विधानसभा के ग्राम अरनिया कला और शाजापुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम लड़वाद में पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में सभाओं को संबोधित करते हुए कही। केंद्रीय मंत्री श्री तोमर ने रतलाम और मंदसौर जिले में भी पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभाओं को संबोधित किया है।

कालापीपल में जनसभा से पहले केंद्रीय मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने पार्टी प्रत्याशी श्री घनश्याम चंद्रवंशी के समर्थन में जनसंपर्क कर कार्यकर्ताओं से भेंट की, जिसके पश्चात अरनियाकला में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि 2003 के पहले का मध्यप्रदेश बीमारू और पिछड़ा राज्य हुआ करता था, लेकिन 2003 में भाजपा सरकार आने के बाद प्रदेश का सर्वांगीण विकास हुआ है। सड़क, बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं जो जनता से दूर थीं, भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने गांव-गांव सड़क और गांव-गांव बिजली व नल से हर घर जल पहुंचाने का कार्य किया।

मोदी की सरकार ने गरीबों को पक्के मकान बनाकर दिए

केंद्रीय मंत्री तोमर ने शाजापुर विधानसभा के ग्राम लडवाद में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार ने देश भर के गरीबों के पक्के मकान का सपना पूरा कर रहे हैं। मध्यप्रदेश के गरीबों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्के मकान बनाकर दिए जा रहे हैं। जिन गरीबों के पास मकान बनाने के लिए जमीन नहीं है, उन्हें मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार रहने के लिए जमीन दे रही है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में मध्यप्रदेश अकेला ऐसा राज्य है जहां किसानों को सम्मान निधि के रूप में 12 हजार रुपए मिलते हैं। 6 हजार रूपए केंद्र सरकार और 6 हजार रूपए राज्य सरकार देती है।

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में अगर कांग्रेस की सरकार आ जायेगी तो वह विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को बंद कर देगी। इसलिए भाजपा प्रत्याशियों को भारी बहुमतों से विजयी बनाकर मध्यप्रदेश में प्रचंड बहुमत के साथ भाजपा की सरकार बनाना है।

कमलनाथ सरकार ने 900 वादे किए, 9 पर भी काम नहीं हुआ

केंद्रीय मंत्री तोमर ने पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकारों के माध्यम से देश और प्रदेश में विकास कार्य हो रहे हैं। कांग्रेस के समय उनके प्रधानमंत्री कहते थे कि 1 रूपए हम भेजते है तो गरीब के पास सिर्फ 15 पैसे पहुंचते है। लेकिन मोदी जी की सरकार ने अगर 1 रूपया सरकार गरीब को भेजती है तो पूरा पैसा उनके खातों में पहुंचता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने पारदर्शी व्यवस्था देकर बिचौलियों और दलालों को समाप्त किया है। जिससे हितग्राही को लाभ सीधे मिल रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार है तो विनाश है, यह पिछले सालों में हमने देखा है। प्रदेश में कमलनाथ की 15 महीने की सरकार ने 900 वादे किए, जिनमें 9 पर भी काम नहीं हुआ। तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत मजबूत हुआ है, लेकिन कांग्रेस के राहुल गांधी देश में भारत जोड़ो यात्रा निकाल रहे हैं और पग-पग पर विरोध कर रहे हैं कि भारत कहीं मजबूत राष्ट्र ना बन जाए।

राहुल गांधी कहीं ना कहीं विपरीत माहौल बनाने की कोशिश में लगे हैं। श्री तोमर ने सभा में उपस्थित जनता से अपील करते हुए कहा कि हमें फिर से मध्यप्रदेश में कमल खिलाना है और भाजपा की सरकार बनाना है। कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता विजेंद्र सिंह सिसोदिया, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अंबाराम कराड़ा, पूर्व विधायक जसवंत सिंह हाड़ा, गोपाल परमार, जिला महामंत्री दिनेश शर्मा, संतोष बराड़ा, अशोक कवीश्वर, प्रदीप चंद्रवंशी, अशोक तोमर, गोपाल राजपूत, रायसिंह मेवाडा, श्रीमती किरण ठाकुर, रामप्रसाद चौधरी, श्रीमती यमुना कछावा, संतोष जोशी, विवेक शर्मा, श्याम टेलर सहित पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि मंचासीन थे।

भाजपा ने चुनाव आयोग से की हेट स्पीच और कर्मचारियों के प्रचार करने पर कार्रवाई की मांग

भोपाल। भाजपा विधि प्रकोष्ठ ने निर्वाचन आयोग से दो मामलों में अलग-अलग शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। पहले मामले में सागर जिले की रहली में कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता जीवन पटेल द्वारा हेट स्पीच का प्रयोग करने को लेकर की गई है। वहीं, दूसरी शिकायत माखनलाल विश्वविद्यालय भोपाल (स्वशासी) में पद का दुरुपयोग कर कांग्रेस पार्टी का प्रचार-प्रसार करने को लेकर की गई है।

रहली कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थक खुले मंच से मतदाताओं को धमका रहे

भाजपा विधि प्रकोष्ठ के प्रभारी श्री मनोज द्विवेदी और सह प्रभारी श्री अशोक विश्वकर्मा ने कहा कि सागर जिले की रहली विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी ज्योति पटेल के समर्थन में जीवन पटेल ने खुले मंच से मतदाताओं को धमकी दी है। पंचायतकर्मियों के बेटों को भूखा मारेंगे। महिलाओं के घरों का चूल्हा जलाना बंद करा देंगे। यह शब्द जीवन पटेल ने ज्योति पटेल की नामांकन रैली के बाद हुई सभा में जीवन पटेल ने यह धमकी दी है। कांग्रेस की प्रत्याशी महिला होकर भी वीडियो में मुस्करा रही है। भाजपा विधि प्रकोष्ठ ने मांग की है कि जीवन पटेल को 17 नवंबर तक भाषण देने से रोका जाए और ज्योति पटेल का नामांकन निरस्त किया जाए।

कर्मचारी कर रहे कांग्रेस का प्रचार, भाजपा ने की कार्रवाई की मांग

भाजपा विधि प्रकोष्ठ के प्रभारी मनोज द्विवेदी और सह प्रभारी अशोक विश्वकर्मा और पॉलिसी एंड रिसर्च विभाग के प्रदेश संयोजक आनंद स्वरूप काशिव ने कहा कि माखनलाल विश्वविद्यालय भोपाल (स्वशासी) में पद का दुरुपयोग कर कांग्रेस का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। पदस्थ एसोसिएट प्रोफेसर संजीव गुप्ता, सहायक प्राध्यापक प्रदीप डहेरिया, आलोक बजाज, चंद्रमोहन गुर्जर और मुकेश चौधरी (कदाचरण के कारण अभी सस्पेंड हैं) उपरोक्त सभी माखनलाल विश्वविद्यालय से वेतन प्राप्त करते हैं,परंतु कांग्रेस पार्टी का चुनाव में खुलकर प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। अन्य साथी स्टॉफ ,कर्मचारियों एवं विश्वविद्यालय के छात्रों पर विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी का प्रचार-प्रसार करने एवं वोट डालने का दबाव डालते हैं। नहीं करने पर दुष्परिणाम भुगतने की धमकी देते हैं। उपरोक्त लिखित पांचों लोगों को प्रदेश में चुनाव होने तक प्रदेश की सीमाओं के बाहर कर दिया जाए एवं विश्वविद्यालय से तत्काल नौकरी समाप्त की जाए।

न्यूज इन शार्ट

पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट में एक और महिला की मौत

दमोह। मध्यप्रदेश के दमोह जिले में एक अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट में घायल हुई महिला की भी मौत हो गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार कोतवाली थाना अंतर्गत नया बाजार 5 बड़े पुल के पास अवैध रूप से संचालित पटाखा फैक्ट्री में अचानक विस्फोट हो गया था। इस घटना में अब तक इलाज के दौरान पांच लोगों की मौत हो गई। इस घटना में घायल उमा कोरी, रचना अहिरवार, पुष्पा चक्रवर्ती, मालती चक्रवर्ती, हेमलता चक्रवर्ती, बिमला प्रजापति, सुशीला चक्रवर्ती, नेहा अहिरवार का अभी भी ज़िला अस्पताल में इलाज चल रहा है। कलेक्टर मयंक अग्रवाल द्वारा अपर कलेक्टर श्रीमती मीना मसराम को मजिस्ट्रियल जांच के आदेश देते हुए जांच अधिकारी नियुक्त किया है।

भालू की हमले से चरवाहा घायल

शहडोल/ अनूपपुर। मध्यप्रदेश के शहडोल जिले में जहां एक ओर भालू के हमले से चरवाहा गंभीर रूप से घायल हो गया, वहीं अनूपपुर जिले में ट्रेन की चपेट में आने से तीन भालुओं की मौत हो गयी है। वन विभाग के सूत्रों के अनुसार शहडोल जिले के जयसिंहनगर थाने के पहड़िया गाँव के एक चरवाहे बंधु बैगा (54) को भालू ने आज उस समय नोच दिया, जब वह अपने पशुओं को चराने जंगल लेकर जा रहा था। बंधु को गम्भीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती किया है। इसी प्रकार अनूपपुर जिले के वेंकटनगर स्टेशन के पास जरैली गांव में कल रात रेल पटरी पार करते समय ट्रेन की टक्कर लगने से तीन भालुओं की मौत हो गयी है। भालुओं की मृत्यु की सूचना रेल्वे के गेंगमैन ने स्टेशन मास्टर वेंकटनगर को सुबह के समय दी, जिस पर वन विभाग को सूचित किया गया।

मुरैना में आदतन अपराधियों को किया गया जिला बदर

मुरैना। मध्यप्रदेश के मुरैना जिले में जिला प्रशासन ने आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आदतन 164 अपराधियों को जिला बदर किया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार विधानसभा चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने के लिये कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अंकित अस्थाना ने पुलिस अधीक्षक के प्रस्ताव पर 164 अपराधियों को एक साथ जिला बदर की कार्रवाही की है। सभी अपराधियों को जिले की सीमा से बाहर भी भेजा गया है। जिला प्रशासन ने आदेश में कहा है कि जिला मुरैना एवं उसके निकटवर्ती जिले ग्वालियर, भिण्ड, श्योपुर एवं शिवपुरी की सीमा से 01 वर्ष की अवधि के लिये बाहर रखा गया, बिना पूर्व स्वीकृति के इन जिलों की सीमा में प्रवेश न करें।

सत्ता के लिए कांग्रेस झूठ बोलती है : सिंधिया

मैहर। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस सत्ता हासिल करने के लिए झूठ का सहारा लेती है। श्री सिंधिया ने मध्यप्रदेश के विंध्य अंचल के नवनिर्मित मैहर जिला मुख्यालय पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित किया।

अगले 15 दिन कांग्रेस का शीर्षस्थ नेतृत्व मध्यप्रदेश में करेगा महाजनसंपर्क अभियान : श्रीनेत

भोपाल। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव के पूर्व कांग्रेस के तीनों शीर्षस्थ नेता, अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी अगले 15 दिन में महाजनसंपर्क अभियान के तहत राज्य में 17 रैलियां करेंगे।

पार्टी प्रवक्ता और आईटी विभाग की अध्यक्ष सुप्रिया श्रीनेत ने आज संवाददाताओं को कांग्रेस के इस महाजनसंपर्क अभियान के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पार्टी 150 से ऊपर की सीटों के लक्ष्य को लेकर चल रही है और इसी क्रम में पार्टी के तीनों शीर्षस्थ नेता राज्य में ताबड़तोड़ प्रचार करेंगे।

उन्होंने बताया कि तीनों नेता राज्य में 17 रैलियां करेंगे। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ 70 रैली, दिग्विजय सिंह 60, पार्टी प्रभारी रणदीप सुरजेवाला 30 रैलियां करेंगे। पार्टी के प्रदेश के अन्य नेता भी सभी 230 विधानसभा क्षेत्रों में लगातार जनसंपर्क करेंगे।

श्रीमती श्रीनेत ने बताया कि आगामी चार नवंबर को श्री खरगे की कटंगी और शहपुरा में, पांच नवंबर को प्रियंका गांधी वाड्रा की कुक्षी और इंदौर-5 में, सात नवंबर को श्री खरगे की उज्जैन और ग्वालियर पूर्व में, आठ नवंबर को श्रीमती वाड्रा की सांवेर और खातेगांव में और नौ नवंबर को श्रीमती वाड्रा की रीवा में रैली होगी।

पूर्व अध्यक्ष श्री गांधी के संदर्भ में उन्होंने बताया कि नौ नवंबर को उनकी नई सराय अशोकनगर, चंदेरी और जबलपुर पूर्व में रैली होगी। इसी दिन वे जबलपुर पश्चिम में पदयात्रा करेंगे। 10 नवंबर को वे सतना में रैली को संबोधित करेंगे। दिवाली के अगले दिन 13 नवंबर को श्री गांधी टिमरनी और उदयपुरा में रैली के बाद शाम को भोपाल में पदयात्रा करेंगे।

इसके अगले दिन 14 नवंबर को श्री गांधी विदिशा और राजनगर में रैली को संबोधित करेंगे। 15 नवंबर को श्रीमती वाड्रा दतिया में और इसी दिन श्री खरगे आमला में रैली को संबोधित करेंगे। एक सवाल के जवाब में श्रीमती श्रीनेत ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी चुनाव प्रचार के मैदान में ज्यादा नहीं जा रहीं हैं। पार्टी वीडियो संदेश के माध्यम से उनका संदेश लोगों तक पहुंचाएगी। एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि श्री गांधी की पांचों राज्यों में चुनाव प्रचार के लिए भारी मांग है।

दंपती की कार को टक्कर मारी, फिर पीछा कर महिला के बाल खींचे और घुटनों के बल मंगवाई माफी

खंडवा। मध्यप्रदेश के खंडवा में बुधवार देर रात एक प्रोफेसर दंपती के साथ पहले तो मारपीट करने और बाद में उनसे पैर पकड़कर माफी मंगवाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि करवा चौथ की रात प्रोफेसर दंपती अपनी कार से एक कार्यक्रम के बाद वापस घर की तरफ जा रहे थे, तभी उनकी कार को तीन रईसजादों की कार ने पीछे से टक्कर मार दी। महिला के पति ने उन्हें समझाने की कोशिश की तो कार सवार युवकों ने उनके साथ मारपीट कर दी। यही नहीं, इन युवकों ने उनका पीछा किया और एक सुपर मार्केट में घुसकर उनके साथ फिर से मारपीट की और महिला से पैर पकड़कर माफी तक मंगवाई। यह पूरी घटना सुपर मार्केट के पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जो कि अब वायरल हो चला है। हालांकि पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, तो वहीं मामले की जांच की जा रही है । खंडवा में करवाचौथ की रात अपने पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखी एक कार सवार महिला और उसके पति के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार शहर के एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज की डायरेक्टर महिला अपने शासकीय संगीत महाविद्यालय के प्रोफेसर पति के साथ बुधवार देर शाम कार्यक्रम से वापस अपने घर की तरफ जा रहीं थीं। तभी शहर के लाल चौकी क्षेत्र में उनकी कार को पीछे से आ रही कार नंबर एमपी 12 आर 1313 ने टक्कर मार दी। जिस पर महिला के पति डॉक्टर रोमिल जैन अपनी कार से बाहर निकलकर युवकों को समझाने की कोशिश करने लगे। इसी बीच इन कार सवार तीन युवकों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। इससे घबराए प्रोफेसर दंपती वापस अपनी कार से निकल गए।

जब प्रोफेसर दंपती अपने घर की तरफ जा रहे थे, तब इन कार सवार युवकों ने उनका पीछा करना शुरू कर दिया, जिससे डर कर प्रोफेसर दंपती रास्ते में बने एक सुपर मार्केट के अंदर चले गए। इसी बीच तीनों युवक उस सुपरमार्केट के अंदर घुसकर दोनों पति-पत्नी के साथ फिर से मारपीट करने लगे। जिस पर सुपरमार्केट के संचालक महेश राठौर ने भी बीच बचाव करने की कोशिश की। तब इन युवकों ने उनके साथ भी मारपीट कर दी। युवक यही नहीं रुके, उन्होंने महिला के बाल पकड़कर खींचे और उनसे हाथ जोड़कर, घुटनों के बल बैठकर माफी तक मंगवाई। इसके बाद ही दोनों पति-पत्नी की जान बची। यह पूरी घटना पास लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। बताया जा रहा है कि ये कार सवार युवक शहर के एक अमीर कारोबारी के परिवार के हैं।

प्रोफेसर दंपती की शिकायत पर शहर के मोघट थाना पुलिस ने आरोपी अज्ञात युवकों के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया था, तो वहीं सीसीटीवी कैमरे से फोटो दिखवाए जाने के बाद आरोपियों की पहचान महीप, गगन और राजा भसीन के रूप में हुई है। उनकी कार राजा भसीन के नाम पर दर्ज है, जो कि शहर के अमृत सर्विस सेंटर के मालिक हैं।

मध्यप्रदेश संस्कार, संस्कृति का केंद्र हैः रविशंकर प्रसाद

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद रविशंकर प्रसाद की छिंदवाड़ा और जबलपुर में पत्रकार-वार्ता

छिंदवाड़ा/जबलपुर। हम मध्यप्रदेश में स्थाई विकास की सरकार के लिए लड़ रहे हैं। भाजपा सरकार ने विकास के लिए जो काम किए उससे प्रदेश बीमारू राज्य से बाहर निकलकर विकसित राज्य बन गया है। नए मेडिकल कॉलेज, नए आईआईटी कॉलेज खोले गए। मध्यप्रदेश संस्कार, संस्कृति का केंद्र है। यहां शंकराचार्य जी की मूर्ति स्थापित की गई। उज्जैन में श्री महाकाल मंदिर कॉरिडोर बनाया गया। यह बात पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद श्री रविशंकर प्रसाद ने छिंदवाड़ा में पत्रकार-वार्ता को संबोधित करते हुए कही। श्री प्रसाद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी मध्यप्रदेश से बहुत स्नेह रखते हैं। इसी कारण प्रधानमंत्री बनने के बाद श्री नरेंद्र मोदी जी अभी तक 38 दौरे कर चुके हैं। मनमोहन सिंह जी ने प्रधानमंत्री कार्यकाल के दौरान मध्यप्रदेश में कुछ ही दौरे किए थे।

छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा तोड़ी गई

श्री प्रसाद ने कहा कि मैं कमलनाथ जी से एक सवाल पूछता हूं कि राहुल गांधी मोहब्बत की दुकान खोलने की बात करते हैं ,लेकिन वे कांग्रेस में मोहब्बत कब पैदा करेंगे। कांग्रेस में कुर्ता फाड़ बयान जारी हो रहे हैं। कांग्रेस में मोहब्बत नहीं बिखराव है। छिंदवाड़ा के कांग्रेस प्रत्याशी अपने पोस्टरों में राहुल गांधी के फोटो नहीं लगाते हैं। 43 साल से कमलनाथ छिंदवाड़ा से बड़े नेता हैं। बड़े विभागों के मंत्री भी रहे। कमलनाथ बड़े व्यापारी और उनके बड़े -बड़े शैक्षणिक संगठन हैं। मैं उनसे ये पूछना चाहता हूं कि उन्होंने यहां के लिए क्या किया। श्री प्रसाद ने कहा कि जब मध्यप्रदेश में कमलनाथ सरकार थी तब सौसर में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा को बुल्डोजर से गिराया गया था।

कांग्रेस ने राजनीति को दिया कुर्ता फाड़ शब्द

प्रसाद ने कहा कि बिहार अक्सर राजनीति को नये-नये शब्द देने के लिए मशहूर है, लेकिन इस बार बिहार को पीछे छोड़कर मध्यप्रदेश ने राजनीति को एक नया शब्द दिया है 'कुर्ता फाड़' राजनीति। समझ में नहीं आता कि इसके लिए कांग्रेस पार्टी को बधाई दूं, उसका अभिनंदन करूं या इस पर दुख जताऊं। दो बड़े नेता,

जिनमें से एक मुख्यमंत्री पद का दावेदार है और दूसरा पूर्व मुख्यमंत्री है। इनमें से मुख्यमंत्री पद के दावेदार पूर्व मुख्यमंत्री के लिए कहते हैं कि इसके कपड़े फाड़ो। प्रसाद ने कहा कि इससे पता चलता है कि कांग्रेस में अंदर खाने सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। ये कांग्रेस के नेताओं के राजनीतिक स्वार्थ का टकराव है।

कमलनाथ और नकुलनाथ राहुल गांधी को नहीं मानते

श्री प्रसाद ने कहा कि दरअसल कमलनाथ और नकुलनाथ राहुल गांधी को कुछ नहीं मानते। दोनों पिता -पुत्र सनातन के भी विरोधी हैं। श्री प्रसाद ने कहा कि सभी विपक्षियों ने मिलकर जो इंडी एलायंस बनाया है उसे हम घमंडी एलायंस कहते हैं, क्योंकि उस एलायंस में कोई एक मत नहीं हैं। यह एलायंस अवसरवादी लोगों का गठबंधन है, जो बनने से पहले ही बिखर गया है।

तीन प्रदेश में बनेगी भाजपा की सरकार

श्री प्रसाद ने जबलपुर में भी पत्रकार-वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भाजपा की सरकार बनेगी। मध्यप्रदेश में चुनावी मुद्दा जमीन पर दिखने वाले काम और झूठ के पुलिंदे के बीच होगा। राज्य में विकास के पैमाने की बात आती है तो हम देखते है कि राज्य में प्रति व्यक्ति आय कितनी बढ़ी है, राज्य में सड़कों का निर्माण कितना हुआ है, राज्य में अपराध की स्थिति क्या है। इन सारे पैरामीटर में आपका अपना मध्यप्रदेश आगे निकल गया है। यह सब भाजपा की सरकार में हो पाना संभव हुआ है।

महिलाओं का स्वाभिमान, किसानों का सम्मान

प्रसाद ने कहा कि प्रदेश में जहां महिलाओं के स्वाभिमान का ख्याल रखा गया.वहीं, किसानों का सम्मान भी किया गया। इसी कारण आज किसानों को सम्मान निधि केंद्र और राज्य सरकार मिलाकर दे रही है। हमारी लाड़ली बहनों के खाते में प्रतिमाह 1250 की राशि आ रही, जिससे हमारी बहनें आत्मनिर्भर हो रही। युवाओं को सीखो कमाओ योजना का लाभ मिल रहा और कोई वर्ग अछूता नही है। जिसे सरकार योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित ना कर रही हो।

जबलपुर का हुआ ऐतिहासिक विकास

श्री प्रसाद ने कहा कि मैं पहले भी जबलपुर आया हूं पर इस बार तो देखने में आया कि यहां अभूतपूर्व विकास कार्य हुआ है। 450 करोड़ की लागत से शानदार एयरपोर्ट बन रहा है, प्रदेश का सबसे बड़ा फ्लाई ओवर यहां बन रहा है। देश की सबसे बड़ी रिंग रोड यहां बन रही और चारों और की सड़के चौड़ी हो गई है। आज का जबलपुर विकास के रास्ते पर अग्रिम पंक्ति में आकर खड़ा हो गया है।

जबलपुर में पत्रकार वार्ता के दौरान सांसद एवं पश्चिम विधानसभा प्रत्याशी श्री राकेश सिंह, प्रदेश मंत्री श्री आशीष दुबे, नगर अध्यक्ष श्री प्रभात साहू, व्यापारी प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक श्री शरद अग्रवाल, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी श्री प्रशांत तिवारी गोलू उपस्थित रहे। छिंदवाडा में पत्रकार वार्ता के दौरान केन्द्रीय मंत्री श्री भानूप्रताप वर्मा, कार्यवाहक अध्यक्ष श्री प्रियवत सिंह ठाकुर, श्री शेषराव यादव, प्रदेश प्रवक्ता श्री अजय धवले, श्री परमजीत सिंह, श्री संदीप चौहान उपस्थित थे।

हिन्द कॉन्वेट हायर सेकण्डरी स्कूल में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन

लोकहित की पुकार, नरसिंहगढ़

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजगढ़ के अध्यक्ष माननीय रत्नेश चंद बिसेन, प्रधान जिला न्यायाधीष राजगढ़ के मार्गदर्षन में तहसील विधिक सेवा समिति नरसिंहगढ़ के अध्यक्ष शशि भूषण शर्मा, द्वितीय जिला न्यायाधीष नरसिंहगढ़ के द्वारा एक नबंबर बुधवार को हिन्द कॉन्वेन्ट हायर सेकण्डरी स्कूल नरसिंहगढ़ में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शि विर में शषिभूषण शर्मा, द्वितीय जिला न्यायाधीष नरसिंहगढ़ के द्वारा शिविर में नालसा गरीबी उन्मूलन योजनाओं को प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विधिक सेवाएं योजना, 2015 एवं नेषनल लोक अदालत एवं मध्यस्थता जागरूकता की

जानकारी के साथ स्कूल छात्राओं को लैगिंक अपराधों से बालकों के संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो अधिनियम) 2012 के अंतर्गत जानकारी दी गई कि 18 वर्ष से कम आयु के बालक/बालिकाओं को यौन प्रहार, स्पर्षीय या अस्पर्षीय आचरण के पहलुओं को अपराध माना गया। इस हेतु चाइल्ड हेल्प लाइन 1098 पर शिकायत करे एवं माता-पिता या शिक्षकों को तुरंत इसकी सूचना दे या शोर मचाकर लोगों को इकट्ठा करें या अपने साथ दुर्व्यवहार छिपाये नहीं और पुलिस को तुरंत सूचना दें। मोटरयान अधिनियम अंतर्गत 16 वर्ष बालक-बालिकाओं को लर्निंग ड्राइविंग लायसेंस की अनिवार्यता एवं दुर्घटना उपरांत लगने वाले आर्थिक दण्ड के बारें बताया एवं निशूल्क विधिक सहायता अंतर्गत प्रदान की जाने वाली सहायता के बारे में अवगत कराया एवं छात्राओं के द्वारा पूछे गये प्रष्नों का भी जवाब दिया। विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 के विधिक सेवा प्राधिकरण का गठन करने के लिए अधिनियमित किया गया ताकि कोई भी नागरिक आर्थिक या अन्य अक्षमताओं के कारण न्याय प्राप्ति के अवसर से वंचित न रहे। साथ ही समाज के कमजोर वर्ग के लोगों को निःशूल्क एवं उचित विधिक सेवा प्रदान किया जाना सुनिष्चित किया जा सके। शिविर में मंच संचालन अजय सोनी एवं आभार प्रदर्षन प्रणपाल सिंह खिची द्वारा किया गया। विधिक सेवा प्राधिकरण से रामेन्द्र कोष्टी, पैरालीगल वालेटियर फरहा नाज एवं स्कूल प्राचार्य उपप्राचार्य राकेश प्रजापति एवं स्कूल स्टांफ व छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

जाति प्रमाण पत्र का हल नहीं तो होगा मतदान का बहिष्कार

एसडीएम के नाम दिया आवेदन

लोकहित की पुकार, सारंगपुर

तहसील सारंगपुर में पाल समाज के जाति प्रमाण पत्र नहीं बनने के कारण पाल समाज ने एक बैठक कर आगामी होने वाले विधानसभा चुनाव का बहिष्कार करने का निर्णय लिया है गुरुवार को पाल समाज के एक प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम के नाम आवेदन दिया है जिसमें मांग की गई है कि पाल समाज के जाति प्रमाण पत्र नहीं बनने के कारण स्कूली छात्र-छात्राओं व गरीबों को जो मिलने वाली शासन की जन् कल्याणकारी योजना है उनका लाभ नहीं मिल पा रहा है अगर जाति के प्रमाण पत्र नहीं बनाए गए तो पूरे पाल समाज के द्वारा विधानसभा क्रमांक 164 में मतदान का बहिष्कार किया जाएगा पाल समाज के मोहन पाल ने बताया कि इससे पहले भी पाल समाज के जाति के प्रमाण पत्र बने थे पर अब एक एस डी एम ने जाति प्रमाण पत्र बनाना बंद कर दिया है जिससे हमारे समाज के बच्चों को परेशानी के दौर से गुजरना पड़ रहा है आवेदन पर राहुल बरखेड़ा गोपाल सिंह मोहन सिंह धर्मेंद्र अजब सिंह देवकरण राय सिंह सहित भारी संख्या में लोगों ने हस्ताक्षर कर जाति प्रमाण पत्र बनवाने की मांग की है अगर जाति प्रमाण पत्र का निराकरण नहीं हुआ तो मतदान का निश्चित ही बहिष्कार होगा।

विधानसभा चुनाव के प्रत्याशियों के कार्यालय रोड के नजदीक होने के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित

लोकहित की पुकार, खिलचीपुर।

विधानसभा चुनाव के प्रत्याशियों के कार्यालय रोड के नजदीक होने के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित।

नगर खिलचीपुर में विधानसभा चुनाव जोर से चल रहा है लेकिन विधानसभा चुनाव के प्रत्याशियों के कार्यालय रोड के 52 फिट के लगभग होने के कारण एवं प्रत्याशियों के वाहनों की आवाक जावक एवं रोड़ के नजदीक खड़े होने से दीपावली पर्व का भी सीजन शुरू हो गया है ऐसे में यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रहा है जिससे लोगों को यातायात में एवं निकलने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है लेकिन प्रशासन का ध्यान ना देना ऐसा प्रतीत होता है जैसे प्रत्याशियों के रूतबे के आगे प्रशासन भी नसमस्तक हैं परन्तु प्रशासन को भी जनता का ध्यान को रखते हुए ठोस कदम उठाना चाहिए जिससे दिपावली पर्व के चलते यातायात व्यवस्था प्रभावित ना हों।

नगरवासियों के अपार स्नेह से अभिभूत हूँ यहां विकास की कई संभावनाएं : पंवार

भाजपा प्रत्याशी ने किया महाजनसंपर्क, कई जगह आत्मीय स्वागत

लोकहित की पुकार, ब्यावरा।

भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी नारायण सिंह पंवार ने गुरुवार को ब्यावरा नगर के कई वार्डों में महाजनसंपर्क किया और इस दौरान में घर.घर जाकर मतदाताओं से मिले महाजनसंपर्क के दौरान भाजपा प्रत्याशी नारायण सिंह पवार ने मतदाताओं से भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में मतदान करने का आह्वान किया और कहा कि नगर के अपार स्नेह से मैं अभिभूत हूं और इसका ऋण में ब्यावरा नगर का संपूर्ण विकास करके चुकाऊंगा। यहां विकास की अपार संभावनाएं हैं और आने वाले दिनों में हम सब मिलकर ब्यावरा नगर में कई विकास कार्य करेंगे।

उन्होंने नगर के बस स्टैंडए एबी रोडए सुदामा नगरए कोली मोहल्लाए पीपल चैराहाए राजगढ़ रोड़ए पंचशील कॉलोनीए भंवरगंजए रामलला मार्गए मैन मार्केटए शहीद कॉलोनीए सुठालिया रोडए मुलतानपुराए जूना ब्यावरा सहित कई क्षेत्रों में महाजनसंपर्क किया। इस अवसर पर उनके साथ भाजपा के कई

वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

जगह.जगह हुआ आत्मीय स्वागत.

जहां महाजन संपर्क के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी नारायण सिंह पवार ने विभिन्न वार्डों में घर.घर जाकर व्यक्तिगत रूप से लोगों से संपर्क किया। वहीं कई जगह उनका स्वागत सत्कार भी किया। घर.घर भाजपा प्रत्याशी का तिलक कर सम्मान किया। इस अवसर भाजपा प्रत्याशी ने कहा कि हम सब मिलकर ब्यावरा नगर को विकास की नई ऊंचाई पर ले जाएंगे। नगर में हुए महाजनसंपर्क अभियान में भाजपा प्रत्याशी को स्थानीय लोगों का जमकर समर्थन मिल रहा है।

आज करेंगे जनसभा को संबोधित.

भाजपा प्रत्याशी नारायण सिंह पवार आज शुक्रवार को भी ब्यावरा नगर में महाजनसंपर्क अभियान के माध्यम से मतदाताओं से मिलेंगे और उनसे भाजपा के पक्ष में मतदान करने का आह्वान करेंगे। साथ ही आज वे स्थानीय सुभाष चैक में एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। जिसमें भारतीय जनता पार्टी के कई नेता शामिल होंगे।

पुलिस एस एस टी पॉइंट चेकिंग के दौरान 03 लाख, 46 हजार 800 रु किये जप्त

लोकहित की पुकार, सारंगपुर

पुलिस अधीक्षक राजगढ धर्मराज के द्वारा विधानसभा चुनाव आचार संहिता मे अवैध रूप से रुपए रखने वालो के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने हेतु निर्देशत किया गया। निर्वाचन आयोग द्वारा जिले की सीमाओं पर एसएसटी नाका लगाए गए हैं जिसमें थाना सारंगपुर क्षेत्र के काछीखेड़ी एसएसटी नाके पर चेकिंग की गई चेकिंग के दौरान बलेनो कार नीले कलर की क्रमांक 20 सीएम 0869 आती दिखाई दी जिसकी चेकिंग की गई वाहन मालिक जितेंद्र पटेल निवासी शहडोल से 3,46,800 रुपए मिले जिससे रुपए रखने के संबंध में पूछा गया जिसके द्वारा संतोष जनक जवाब नहीं दिया जिसको स्वस्ज्ञ टीम द्वारा विधिवत्त जप्त किये गये।

उपरोक्त महत्वपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी थाना सारंगपुर निरीक्षक शिवराज सिंह, स्वस्ज्ञ दल प्रभारी विनोद कुमार गिरजे एवं दल सहायक वरुण शर्मा एवं आरक्षक अरुण शर्मा का विशेष योगदान रहा।

महिलाओं ने चंद्रमा को अर्द दे छोड़ा उपवास

लोकहित की पुकार, खिलचीपुर।

नगर व गावों में करवा चौथ का महिलाओं ने रखा व्रत रात्रि 9ः00 बजे के पूर्व चौथ माता की पूजन कर चंद्रमा को अर्थ देकर खोला उपवास यह उपवास महिलाओं के लिए बहुत ही खास माना जाता है।

इस उपवास में महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र व परिवार की सुख शांति के लिए इस व्रत को हर वर्ष किया जाता है जिसमें सुबह से शाम तक कुछ भी नहीं खाते पीते हैं यह व्रत हड़ताली तीज की तरह ही रखा जाता है महिलाओं ने सुबह से ही व्रत की तैयारी की तैयारी की गई और श्रृंगार कर पूरे दिन खुशी का इजहार किया चंद्रमा को अर्थ पूजन किया।

क्षेत्र का विकास हैं पहली प्राथमिकता: पुरषोत्तम दांगी

लोकहित की पुकार, ब्यावरा।

भाजपा की सरकार ने पूरे ब्यावरा क्षेत्र को विकास से वंचित रख भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया हैं। फलस्वरुप नागरिकों को जो सुविधा मिलनी थी वह नहीं मिली। कांग्रेस सरकार आने पर आम नागरिकों के हितो की रक्षा की जाएगी और सभी को बिना भेदभाव किये बिना शासन की योजनाओं का लाभ मिलेगा।

क्षेत्र का विकास ही हमारी पहली प्राथमिकता रहेगा, ब्यावरा विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी पुरषोत्तम दांगी ने उक्त बात अपने ग्रामीण क्षेत्र के सघन जनसम्पर्क के दौरान कही श्री दांगी गुरुवार को क्षेत्र के नालियाखेड़ी, खेजड़ा महाराजा, धुपचिड़ी, पाडली गुसाई, कानरखेड़ी, पूरा सीलखेड़ा आमडोर सहित अन्य ग्रामो में पहुंचेण वहां उनका ग्रामीणों ने भव्य स्वागत किया। विधायक रामचंदर दांगी ने भी ग्रामीणों से रूबरू होते हुए कहा कि पिछले पांच सालों में कांग्रेस ने हर मोर्चे पर भाजपा की जन विरोधी नीतियों का डटकर विरोध किया हैं। आगे भी हम जनता से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से हल करेंगे।

भ्रष्टाचार का पर्याय बनी भाजपा

भाजपा सरकार ने भ्रष्टाचार के सारे कीर्तिमान तोड़ते हुए सैकड़ो घोटाले किये हैं। घोटालों की वजह से प्रतिभा वान युवको का भविष्य अधर में लटक गया हैं। आवास योजना सहित अन्य सभी

योजनाओं में जमकर भ्रष्टाचार हुआ हैं। इसलिए इस चुनाव में जनता उन्हें सबक सिखाएगी पुरषोत्तम दांगी ने अपने प्रवास के दौरान सभी को आश्वत करते हुए कहा कि वह हमेशा से सभी के लिए सर्वसुलभ रहे हैं। आगे भी इसी तरह वह जनता के लिए तत्पर रहेंगे। इस अवसर पर विश्वनाथ दांगी, चैनसिंह गुर्जर, महेन्द्र गुर्जर, विष्णुदेव शास्त्री, विजय बहादुर सिंह, हिरेन्द्र सिंह बना सहित अनेक कांग्रेजन उपस्थित रहे।

प्रदेश में 17 नवंबर को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक होगा मतदान

लोकहित की पुकार, राजगढ

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि प्रदेश में 17 नवंबर को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक मतदान प्रक्रिया चलेगी। इस संबंध में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई है। राजन ने बताया कि मतदान शुरू होने के डेढ़ घंटे पहले सुबह 5ः30 बजे से मॉकपोल की प्रक्रिया प्रारंभ होगी। यह प्रक्रिया अभ्यर्थी या उसके अधिकृत एजेन्ट की उपस्थिति में होगी। यदि कोई अभ्यर्थी या उसका एजेन्ट 5ः30 बजे मतदान केन्द्र पर उपस्थित नहीं होता है, तो 15 मिनट तक उसका इंतजार किया जाएगा। इसके बाद मतदान दलों और अन्य सदस्यों की उपस्थिति में मॉकपोल की प्रक्रिया प्रारंभ की जायेगी। न्यूनतम 50 वोट से मॉकपोल किये जाने का प्रावधान है, जिसमें नोटा भी शामिल होगा। मॉकपोल की प्रक्रिया प्रारंभ करने से पूर्व बैलेट यूनिट एवं वीवीपीएटी को वीवीपीएटी कम्पार्टमेंट में रखा जाएगा।

तीन अभ्यार्थियों द्वारा नाम निर्देशन पत्र वापस लिए गए

राजगढ। विधानसभा निर्वाचन - 2023 अंतर्गत नाम निर्देशन पत्र वापसी के तहत 2 नवम्बिर को जिले के दो विधानसभा क्षेत्रों से तीन अभ्या र्थियों द्वारा नाम निर्देशन पत्र वापस लिए गए।

स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन के लिये मीडिया का सहयोग जरूरी

राजगढ

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने कहा कि लोकतंत्र के विकास में मीडिया की अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका है। निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य को सम्पन्न कराने के लिये मीडिया का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। वास्तविक जानकारी मतदाताओं तक पहुँचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। विधानसभा निर्वाचन 2023 की आदर्श आचरण संहिता का सख्ती से पालन कराया जा रहा है। श्री राजन ने बताया कि वरिष्ठ मतदाता एवं 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले मतदाताओं को घर से मतदान की सुविधा दी गयी है। प्रदेश में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिये मतदाता जागरूकता की विविध गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है और मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिये हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। श्री राजन ने मीडिया प्रतिनिधियों से मतदाताओं को मतदान अवश्य करने के लिए प्रेरित करने के लिये अपने संचार माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार करने का आव्हान भी किया।

आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष ने थामा भाजपा का दामन

सीएम शिवराज सिंह ने दिलाई सदस्यता

ब्यावरा।

आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष वीरेंद्र यादव ने अपने कई समर्थकों के साथ आम आदमी पार्टी को छोड़कर भाजपा की सदस्यता ले ली है।

उन्होंने बुधवार को आम आदमी पार्टी की नीतियों से नाराज होकर अपने पद से इस्तीफा दिया था। गुरुवार को उन्होंने भोपाल में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान की उपस्थिति में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। उनके साथ आम आदमी पार्टी के विधानसभा प्रभारी भारत सिंह कुशवाह ने भी भाजपा की सदस्यता ली। इस अवसर पर लोकसभा क्षेत्र के सांसद रोडमल नागर भी मौजूद रहे।

वीरेंद्र यादव के भाजपा में शामिल होने पर भाजपा प्रत्याशी नारायण सिंह पंवार ने अपने निवास पर स्वागत किया।

भाजपा की नीतियां जन हितेषी.

भाजपा में शामिल होने के बाद वीरेंद्र यादव ने कहा कि आम आदमी पार्टी में लोकतंत्र नहीं है। वहां केवल व्यक्तिवाद हावी है। जबकि भाजपा ने हर तबके के लिए काम किया है।

भाजपा की नीतियां जनहितैषी है। अब हम सब मिलकर भाजपा को मजबूत करने का काम करेंगे। भाजपा की जीत क्षेत्र सहित प्रदेशभर में विकास के नए रास्ते खोलेगी।

दैनिक लोकहित की पुकार के लिए स्वामी प्रकाशक मुद्रक संतोष पुष्पद द्वारा सोनू ग्राफिक्स राधा कृष्ण कांप्लेक्स सारंगपुर राजगढ़ 465697 से मुद्रित व सिविल अस्पताल रोड सारंगपुर राजगढ़ मध्यप्रदेश 465697 से प्रकाशित, संपादक संतोष पुष्पद मोबाइलः- 94254 44 846- सभी विवादों का न्याय क्षेत्र सारंगपुर रहेगा।